**आज का विचार**

मूर्ख व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है, और एक बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान उसके मौन से।

# दैनिक शुभ अस्तित्व

MPHIN/2018/77010

एक नए युग के अस्तित्व के साथ

वर्ष 08, अंक-141 | www.shubhastitv.com | भोपाल, गुरुवार 07 मई 2026 | मूल्यः 3.00 पृष्ठः08


## संक्षिप्त समाचार...............

### छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से हाईवे डूबा, घरों में पानी

**भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना।** उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए। यूपी के गाजियाबाद में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के कारण पूरे यूपी में अधिकतम तापमान 40एष्ट से नीचे आ गया है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान में बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी सभी शहरों में तापमान 40एष्ट से नीचे रहा। इधर, बिहार और मध्य प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे में 89.7 स्स्रूबारिश रिकॉर्ड की गई।

### क्या विजय CM बनने के लिए श्योर थे,2024 में TVK लॉन्च की

**तमिलनाडु।** तमिल एक्टर विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में हीरो की तरह एंट्री की है। उनकी पार्टी ञ्ज्ञ्च्य ने 234 में से 108 सीटों पर जीत हासिल की है। इस बीच विजय की फिल्म त्नह्र्ञ्ज का एक सीन सोशल मीडिया पर वायरल है। फिल्म के एक सीन को उनके छ्रूप्लान से जोड़कर देखा जा रहा है। फिल्म की वायरल क्लिप में विजय एक कार चलाते नजर आ रहे हैं, जिसकी नंबर प्लेट पर 'ञ्नह 07 छ्रू2026' लिखा दिखाई देता है। अब लोगों का मानना है कि फिल्म में दिखाया गया यह नंबर विजय के 2026 में तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की ओर इशारा था। विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी TVK लॉन्च की थी। इसके कुछ महीनों बाद 5 सितंबर 2024 को GOAT रिलीज हुई थी।

### पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक ही पासवर्ड होगा

**नई दिल्ली।** सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं। सार्वजनिक वाई-फाई को सुरक्षित बनाने के लिए 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' जैसे मानक लागू होंगे। इससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षित यूपीआई और डिजिटल पेमेंट के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिलेगा

### असम के 126 विधायकों में से 63 दोबारा जीते

**असम।** असम विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। 126 विधायकों में से आधे विधायक यानी 63 ही दोबारा चुने गए हैं। नए चुने गए सभी विधायकों में से 21 (17%) पर आपराधिक और 19 (15%) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने ये रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार 3 विधायकों पर मर्डर की कोशिश और 2 पर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार का केस है। 2011 में गंभीर अपराध वाले विधायकों की संख्या 8 थी, जो 2026 में बढ़कर 19 यानी दोगुनी से ज्यादा हो गई है। नई विधानसभा में 107 (85%) विधायक करोड़पति हैं। 2011 में ये संख्या 47 (37त्न) थी। 25 विधायकों की संपत्ति 10 करोड़ से ज्यादा है। भाजपा के 74 विधायक करोड़पति हैं। AIUDF के मोहम्मद बदरुद्दीन अजमल की संपत्ति सबसे ज्यादा 226 करोड़ है।

### हिमाचल में कैंसर मरीजों के मुफ्त इलाज पर संकट

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश में पांच लाख रुपए तक के मुफ्त उपचार वाली हिमकेयर और आयुष्मान योजना का मरीजों को फायदा नहीं मिल रहा है। इन दोनों स्कीमों के कार्डधारकों को दवाइयां ओपन मार्केट से महंगे दाम पर खरीदनी पड़ रही है, जिससे कैंसर मरीजों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कैंसर के स्टेट लेवल हॉस्पिटल ढ्ढत्स्ह्ल शिमला में उपचार करवा रहे मरीजों व उनके तीमारदारों में सरकार के खिलाफ रोष व्याप्त है।

# बुरहानपुर में उद्यमी संवाद कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ने उद्योगों को बढ़ावा देने पर दिया जोर

**संचिता सुषमा वाल्के बुरहानपुर।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर स्थित श्री परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित उद्यमी संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे उद्यमियों द्वारा लगाए गए उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन कर उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 24|7 सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से उद्योगों की स्थापना कर स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025 को 'औद्योगिक वर्ष' के रूप में समर्पित किया गया है, ताकि निवेश को प्रोत्साहन मिल सके और प्रदेश आर्थिक रूप से सशक्त बने। कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमियों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

## वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद क्करू नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

### कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा।

## मुख्यमंत्री मोहन यादव के कई बड़े ऐलान, उद्योग, किसान और शिक्षा पर फोकस

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होते हुए उद्योग, किसान कल्याण और शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदेश दिए। मुख्यमंत्री ने 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने की घोषणा की। इस यात्रा में प्रदेश से पहली बार 1100 श्रद्धालुओं का दल शामिल होगा। उद्योग क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के लिए मजबूत आधार तैयार हो चुका है और अब निवेश को गति देने का समय है। उन्होंने बताया कि निमाड़ क्षेत्र में इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएगी और बुरहानपुर के सुखपुरी क्षेत्र को इंडस्ट्रियल बेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही उद्योगों में बाधा बनने वाले कई नियमों को समाप्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने ग्रीनको ग्रुप के कार्यकारी निदेशक बंडारू से भेंट कर औद्योगिक विकास के मुद्दों पर चर्चा की। किसानों के हित में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उपज का एक-एक दाना कीमती है और भुगतान में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मंडियों में समय-सीमा के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा सख्त कार्रवाई होगी। चौरई क्षेत्र के 64 किसानों को लगभग एक करोड़ रुपये का भुगतान मिलने की जानकारी भी दी गई। सुशासन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नवाचारों के माध्यम से विकास के नए रास्ते तैयार किए जा रहे हैं। इस दौरान निगम, मंडल और बोर्ड के अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों ने उनका अभिनंदन भी किया।

वहीं शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने 7 मई से शुरू हो रही कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सपनों को साकार करने का यह महत्वपूर्ण अवसर है।

## सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

### कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, संसद के अगले सत्र में बिल पेश होगा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम सरकार को भेजेगा। इससे पहले 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी। वहीं, 2008 में जजों की संख्या 26 से बढ़कर 31 हुई थी।

## आर्मी कैंप-BSF हेडक्वार्टर के बाहर IED ब्लास्ट के VIDEO

**जालंधर/अमृतसर।** जालंधर में क्चस्स्न हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार रात धमाका हुआ। इसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। गनीमत रही कि धमाके में किसी को चोट नहीं लगी। इस ब्लास्ट का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, अमृतसर में आर्मी कैंप के भीतर भी ग्रेनेड अटैक की कोशिश की गई, लेकिन वह दीवार पर टकराकर फट गया। DGP गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने माना कि जालंधर व अमृतसर में IED ब्लास्ट हुए। कहा कि जालंधर में संभव है कि टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया हो। इसमें पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों का हाथ है। ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से धमाके कराए गए हो सकते हैं। DGP अब जालंधर पहुंचे हैं।

## नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और उद्यानिकी विकास पर सरकार का फोकसः मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल।** मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और किसानों की आय बढ़ाने के लिए उद्यानिकी विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य केवल लाभ देना नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है।

### नारी शक्ति बनी नीति का केंद्र

मंत्री कुशवाहा ने कहा कि ÷नारी शक्ति÷ सरकार के लिए केवल नारा नहीं, बल्कि नीति का मुख्य आधार है। स्वयं सहायता समूहों (स्ॅत्नह्य) के माध्यम से लाखों ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा गया है। उन्हें आसान ऋण, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कृषि, डेयरी, हस्तशिल्प और सूक्ष्म उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। ÷लखपति दीदी÷ जैसी पहलों से महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट और पुलिस में महिला डेस्क जैसी व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया गया है।

### वंचित वर्गों के लिए समग्र पहल

मंत्री ने बताया कि सड़कों पर रहने वाले जरूरतमंदों, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। शहरी क्षेत्रों में रैन बसेरा और सामुदायिक रसोई की व्यवस्था बढ़ाई गई है, जिससे जरूरतमंदों को आश्रय और भोजन मिल सके।

उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति से जुड़े लोगों के पुनर्वास के लिए पहचान, काउंसलिंग और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़ सकें। दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

### उद्यानिकी से बढ़ेगी किसानों की आय

मंत्री कुशवाहा ने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। फल, सब्जी, फूल और मसालों की खेती से किसानों को पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभ मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि ड्रिप इरिगेशन, पॉलीहाउस और उन्नत बीज जैसी तकनीकों को सब्सिडी पर उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही किसानों को मंडियों, प्रोसेसिंग यूनिट और निर्यात बाजार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

### आत्मनिर्भर किसान और रोजगार पर जोर

मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों को केवल उत्पादक नहीं, बल्कि एग्री-उद्यमी बनाना है। इसके लिए वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग और क्लस्टर आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

## बंगाल हार के बाद अखिलेश ने आई-पैक से कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा

**लखनऊ।** पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी रणनीति बनाने वाली कंपनी I-PAC (आई-पैक) के साथ करार तोड़ दिया है। अखिलेश ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा- हां, हमारा संबंध उनसे था। कुछ महीने हमारे साथ उन्होंने काम किया। लेकिन, अब हम साथ काम नहीं कर पा रहे, क्योंकि हमारे पास फंड की कमी है, हम इतना फंड नहीं दे सकते। कुछ लोगों ने हमें चुनाव जितवाने वाली कंपनी के बारे में बताया है। सलाह दी है कि सी-वोटर्स से सर्वे कराइए। एक ङ्कक्रू कंपनी है, उसको साथ रखिए।

**विधानसभा** — SIR से हर सीट पर 30 हजार वोटर हटे, 176 सीटों पर इतने ही मार्जिन से जीत

# बंगाल में भाजपा को TMC से 32 लाख ज्यादा वोट

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा जीत मिली है। भाजपा को 207 और टीएमसी को 80 सीटें मिली हैं। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 लाख 60 हजार 13 हजार 377 वोट मिले हैं। BJP को TMC से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले।

राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा। ऐसे में TMC अब चुनाव नतीजों को कोर्ट में चुनौती दे सकती है।

### भाजपा ने 128 सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं

बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है। 2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62त्न सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5त्न थीं। साल 2021 में 121 सीटों पर तृणमूल की जीत का अंतर 30 हजार से कम था और 94 पर 30 हजार से ज्यादा। यानी बहुमत वाले दल के लिए ये आंकड़े ट्रेंड दर्शाते हैं। इस बार भाजपा की 25 सीटें ऐसी हैं, जहां हटाए या अयोग्य घोषित मतदाताओं की संख्या जीत के अंतर से अधिक है।

### SC ने कहा था- वोटों की संख्या जीत के अंतर से कम पर दखल नहीं देंगे

SIR को लेकर ममता सरकार की याचिका पर हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर हटाए गए वोटों की संख्या जीत के अंतर से कम है, तो कोर्ट दखल नहीं देगा। क्योंकि उन वोटों के होने या न होने से रिजल्ट पर असर नहीं पड़ता।' कोर्ट ने कहा कि दखल तब देंगे जब यह दिखाया जा सके कि हटाए गए वोट इतने अधिक थे।

## एस-400 के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी

### 1 स्क्वॉड्रन में 8 लॉन्चर और हर लॉन्चर में 4 मिसाइल, एक लाख करोड़ रुपए का सौदा

**नई दिल्ली।** भारत सरकार एस-400 मिसाइलों के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके एक स्क्वॉड्रन में 8 लॉन्चर होते हैं और हर एक लॉन्चर में 4 मिसाइल कंटेनर होते हैं। इस हिसाब से करीब 32 बड़ी मिसाइलें मिलेंगी। पिछले साल 7 से 10 मई के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर में हमारे एयर डिफेंस सिस्टम की एस-400 मिसाइलों ने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर अंदर घुसकर कहर बरपाया था, अब हमारे रक्षा बेड़े में उनकी तादाद बड़ने जा रही है। खरीदी की दिशा में रूस के साथ चर्चा में सकारात्मक प्रगति हुई है। वायु सेना के लिए 5 एस-400 का पहला सौदा 2018 में हुआ था। 3 सिस्टम्स मिल चुके हैं। रूस ने आश्वस्त किया है कि शेष दो सिस्टम और ऑपरेशन सिंदूर में खर्च हुई बैटरी की मिसाइलें भी अगले 6 माह में दे देंगे। रूस के मुताबिक इसके बाद नए स्क्वॉड्रन आएंगे। इस तरह दोनों सौदे करीब एक लाख करोड़ रुपए के होंगे। डीआरडीओ एस-400 जैसी ही इंटरसेप्टर मिसाइलें बना रहा है।

### पहली डील 40 हजार करोड़ में हुई

पहली डील 40 हजार करोड़ में हुई थी। दूसरी पर सहमति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान बनी थी। इनकी आपूर्ति का रोडमैप बन गया है। युद्ध के कारण रूस से डिलेवरी में देरी हो रही थी। अब भारत को आश्वस्त किया गया है कि आने वाले 6 महीने में शेष दो स्क्वैड्रन सप्लाई कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्रीनको ग्रुप के कार्यकारी निदेशक श्री बंडारू ने की भेंट

# वन विकास निगम, अनुसूचित जाति आयोग और नागरिक आपूर्ति निगम में नए पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विभिन्न निगमों और आयोगों के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर , तथा उप मुख्यमंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ हुई, जिसके पश्चात सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संबंधित कार्यालयों में पहुंचकर पूजा-अर्चना के साथ विधिवत कार्यभार संभाला।

मध्यप्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष बने ने कहा कि वे पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर कार्य करेंगे। उन्होंने और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वन संसाधनों के संरक्षण और उनके बेहतर उपयोग के माध्यम से प्रदेश के विकास में योगदान सुनिश्चित किया जाएगा।

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि आयोग अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा।

वहीं मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, राव उदय प्रताप सिंह, गोविंद सिंह राजपूत सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से एम्स भोपाल प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात, ऑर्गन ट्रांसप्लांट को मिलेगा बढ़ावा

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री से मंत्रालय में के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट गतिविधियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि अंगदान करने वाले दाताओं को ÷गार्ड ऑफ ऑनर÷ दिया जाता है और उनके परिजनों को 26 जनवरी एवं 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि अंगदान से कई जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है। ह्यउन्होंने आगे बताया कि आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्यभर में जन-जागरूकता अभियान, कार्यशालाएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़ सकें।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किडनी ट्रांसप्लांट पैकेज बढ़ाने, साथ ही हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट को शामिल करने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा ब्रेन-डेड डोनर्स की समय पर पहचान और रेफरल सिस्टम को मजबूत करने के लिए तकनीकी सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि प्रदेश के शासकीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाए, जिससे अंग प्राप्ति और प्रत्यारोपण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो सके।

बैठक में आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से रोबोटिक सर्जरी के विस्तार पर भी चर्चा हुई। एम्स टीम ने हार्ट और किडनी ट्रांसप्लांट में अब तक की उपलब्धियों के साथ-साथ लंग ट्रांसप्लांट सेवाओं के विस्तार की जानकारी प्रस्तुत की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इन सेवाओं के विस्तार के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

इस अवसर पर एम्स भोपाल के निदेशक , डिप्टी डायरेक्टर संदेश कुंअर जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास गुप्ता सहित ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

# भोपाल में कैबिनेट मंत्रियों का कार्यकर्ताओं से संवाद, जनसमस्याओं का त्वरित समाधान

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं मंत्री लखन पटेल ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं और आमजनों से संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया। इस पहल से कार्यकर्ताओं में उत्साह और विश्वास का माहौल देखने को मिला।

### समस्याओं के समाधान पर जोर

मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि सरकार जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जिन समस्याओं का तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उन्हें संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।

### कार्यकर्ताओं को दिया आश्वासन

संवाद के दौरान मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं की कठिनाइयों को समझते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और उनकी बातों को प्राथमिकता देना सरकार का कर्तव्य है।

### जनसंपर्क को मजबूत करने की पहल

इस संवाद कार्य म को जनसंपर्क और संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्य म में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

# दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में साहित्यकार पार्क व सत्संग हॉल का भूमि पूजन, भोपाल को मिलेगी नई पहचान

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 में बुधवार को साहित्यकार पार्क एवं सत्संग हॉल निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, जिलाध्यक्ष रविंद्र यती, पार्षद ब्रजुला सचान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### शहर को मिलेगी नई पहचान

भूमि पूजन के अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि साहित्यकार पार्क और सत्संग हॉल का निर्माण भोपाल की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जल स्रोतों और समृद्ध साहित्यिक विरासत के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है, और यह परियोजना उस पहचान को नया आयाम देगी।

### साहित्य और कला को मिलेगा मंच

पार्क एवं सत्संग हॉल के निर्माण से शहर के साहित्यकारों, कलाकारों और प्रबुद्धजनों को एक ही स्थान पर कार्यक्रम आयोजित करने की बेहतर सुविधा मिलेगी। शहर के मध्य में स्थित होने के कारण यहां तक पहुंच आसान होगी और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

### विशेष जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में गौरीशंकर शर्मा गौरीश एवं चंद्रशेखर तिवारी सहित कई सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इसके अलावा शहर के प्रमुख साहित्यकार, कलाकार, गणमान्य नागरिक और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### जनसहभागिता से विकास की दिशा

इस परियोजना को शहर के सांस्कृतिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो आने वाले समय में भोपाल को एक नई पहचान देने में सहायक सिद्ध होगा।

# भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग की बैठक, संगठनात्मक रणनीति पर मंथन

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक एवं प्रदेश प्रभारी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया विभाग की बैठक को संबोधित किया। बैठक में मीडिया रणनीति, संगठनात्मक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क को मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी सहित प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्त ागण उपस्थित रहे।

# गेहूं खरीदी व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला, 7 मई को प्रदेशव्यापी चक्का जाम का ऐलान

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ने खरीदी तंत्र को पूरी तरह विफल बताते हुए 7 मई को प्रदेशव्यापी चक्का जाम आंदोलन की घोषणा की है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि खरीदी प्रक्रिया अव्यवस्थित और किसान विरोधी बन चुकी है। बार-बार स्लॉट बुकिंग और खरीदी की तारीखें बढ़ाना इस बात का संकेत है कि सरकारी तंत्र प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहा है। शुरुआती 14 दिनों में केवल 9.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी को भी कांग्रेस ने सरकार की नाकामी बताया है।

पार्टी के अनुसार किसानों को स्लॉट बुकिंग, पंजीयन पर्ची अपलोड, भुगतान में देरी और खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने, शौचालय और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी सामने आया है, जिससे किसानों को घंटों नहीं बल्कि कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

कांग्रेस का दावा है कि खरीदी में देरी के चलते कई किसानों को मजबूरी में अपना गेहूं ?1800 से ?2200 प्रति क्विंटल की दर पर व्यापारियों को बेचना पड़ा, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है।

पार्टी ने मांग की है कि सरकार समर्थन मूल्य ?2625 प्रति क्विंटल के अनुसार भुगतान सुनिश्चित करे और कम कीमत पर बेचे गए गेहूं के अंतर की राशि किसानों को दी जाए। साथ ही मूंग, सोयाबीन और अन्य फसलों को लेकर किए गए वादों पर भी जवाब मांगा गया है।

इन्हीं मुद्दों को लेकर 7 मई को आगरा-मुंबई राजमार्ग पर चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। भोपाल संभाग के कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान प्रतिनिधि और आमजन शाजापुर में एकत्रित होकर प्रदर्शन करेंगे।

इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में , , सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि किसानों के हितों को लेकर उसका संघर्ष सड़क से सदन तक जारी रहेगा।

# सरकार की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस का हमला, किसानों के मुद्दे पर 7 मई को चक्का जाम का ऐलान

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल,** मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली और किसानों के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार विभागों में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को लेकर गंभीर नहीं है।

श्री पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कम समय में कई महत्वपूर्ण विभागों की समीक्षा करना यह दर्शाता है कि सरकार जनता के हितों को प्राथमिकता नहीं दे रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आम जनता ही नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता भी मंत्रियों से मिलने में असफल हो रहे हैं।

उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पटवारी ने कहा कि इंदौर के भागीरथपुरा, भोपाल स्लॉटर हाउस, छिंदवाड़ा कफ सिरप प्रकरण और बरगी क्रूज हादसे जैसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सामने आई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि शिक्षा, जल संसाधन, कृषि, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में सामने आए भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

### किसानों के समर्थन में बड़ा आंदोलन

इसी क्रम में कांग्रेस ने किसानों के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन छेड़ने की घोषणा की है। श्री पटवारी ने बताया कि 7 मई को सुबह 11 बजे से मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-3) पर प्रदेशभर में चक्का जाम किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं खरीदी में सरकार ने 2700 रुपये प्रति क्विंटल का वादा किया था, लेकिन वास्तविक खरीदी 2625 रुपये में हो रही है, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही उत्पादन के अनुपात में खरीदी नहीं होने से किसानों की उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा।

यह चक्का जाम मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, शाजापुर, इंदौर और खलघाट सहित कई जिलों में किया जाएगा। आंदोलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हजारों किसान भाग लेंगे।

श्री पटवारी ने कहा कि यह आंदोलन शांतिपूर्ण ÷किसान सत्याग्रह÷ के रूप में होगा और इसका उद्देश्य सरकार तक किसानों की आवाज पहुंचाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो कांग्रेस सड़क से लेकर जेल तक संघर्ष करेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से गेहूं पर भावांतर योजना लागू करने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को किसानों के हित में तत्काल निर्णय लेना चाहिए, ताकि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

# अनुसूचित जाति आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष व सदस्यों को किशन सूर्यवंशी ने दी शुभकामनाएं

**संचिता सुषमा वाल्के भोपाल।** निगम अध्यक्ष ने मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सदस्यों श्री बारेलाल अहिरवार और श्री रामलाल मालवीय को पदभार ग्रहण करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पदभार ग्रहण समारोह में कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री , देवास सांसद तथा राज्यसभा सदस्य भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री सूर्यवंशी ने नवनियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें नए दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आयोग जनहित में प्रभावी कार्य करते हुए समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगा।

कार्यक्रम से पूर्व सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अम्बेडकर चौराहे पर भारत रत्न की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# भोपाल में ‘अटल भवन’ का आज लोकार्पण, तैयारियों का निरीक्षण

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में नगर निगम के नवनिर्मित मुख्यालय ‘अटल भवन’ का लोकार्पण 7 मई को मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा।इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीमच में स्थापित 10.5 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी। 8 मंजिला इस आधुनिक भवन में नगर निगम के सभी विभाग एक ही स्थान पर संचालित होंगे। साथ ही भूतल पर जनसुविधा केंद्र स्थापित किया गया है, जहां नागरिकों को विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। इधर, नगर निगम अध्यक्ष ने प्रस्तावित समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल और पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# बैंक ऑफ महाराष्ट्र डकैती कांड में बड़ा खुलासा

**बिहार से पकड़े गए आरोपियों से मिली अहम जानकारी**

**उड़ीसा और बिहार की जेलों में दबिश, नगदी, मोबाइल व दस्तावेज जब्त, गैंग नेटवर्क की परतें खुलीं**

**सिंगरौली**

सिंगरौली,बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई चर्चित डकैती के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले में बिहार के नालंदा जिले से गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने अन्य राज्यों में भी कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, थाना हिलसा, जिला नालंदा (बिहार) से आरोपी चंदन उर्फ चईया यादव (21) एवं गुलशन (19) को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। जांच में सामने आया कि ये दोनों आरोपी डकैती की साजिश में शामिल थे और लूट के माल को ठिकाने लगाने में इनकी अहम भूमिका रही है।

बताया जा रहा है कि डकैती की योजना में मुख्य आरोपी फंटूस के साथ उसके साथी कमलेश, पंकज, राजेश और छोटू भी शामिल थे। इन सभी ने मिलकर बैंक डकैती की साजिश रची थी। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर 7 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया, जिसके बाद पूछताछ में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

पूछताछ के दौरान चंदन और गुलशन ने खुलासा किया कि गैंग के सरगना फंटूस ने उन्हें डेढ़ लाख रुपये नकद और अन्य सामान देकर उड़ीसा के संबलपुर जिले की उप जेल कुचिंदा भेजा था। वहां यह रकम और सामग्री पीयूष जायसवाल नामक व्यक्ति को सौंपी गई थी।

इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर सिंगरौली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 मई की सुबह करीब 5 बजे डिप्टी कलेक्टर कुचिंदा एवं स्थानीय पुलिस की मदद से उप जेल कुचिंदा में दबिश दी। इस दौरान पीयूष जायसवाल के बिस्तर से 25,896 रुपये नकद बरामद किए गए। इसके अलावा बैरक नंबर 3 से एक छोटा मोबाइल फोन और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस टीम ने बिहार के बेऊर जेल, पटना में भी दबिश दी, जहां इस मामले में निरुद्ध गैंग लीडर सुबोध से जुड़े कुछ दस्तावेज और अन्य साक्ष्य मिले हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अब पूरे गिरोह के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना लगातार जारी है और जल्द ही इस डकैती कांड से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी संभव है। इस कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि डकैती का यह मामला अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़ा हुआ है, जिसकी जड़ें कई राज्यों तक फैली हुई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

# कलेक्ट्रेट से रवाना हुआ जनगणना प्रचार रथ, घर-घर पहुंचकर करेगा जागरूक

**सिंगरौली**

**सिंगरौली।** जिले में जनगणना 2026 के प्रथम चरण की शुरुआत के साथ ही जनजागरूकता अभियान को गति देने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर से 'जनगणना प्रचार रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी गौरव बैनल के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे, अपर कलेक्टर पी.एस. त्रिपाठी तथा संयुक्त कलेक्टर व जिला

जनगणना अधिकारी संजीव पाण्डेय ने प्रचार रथ को रवाना किया। यह रथ जिले के नगरीय क्षेत्रों से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक भ्रमण कर लोगों को जनगणना के महत्व और इसमें सहभागिता के लिए जागरूक करेगा।

प्रशासन के अनुसार 1 मई से 30 मई 2026 तक प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर भवन की स्थिति, उपयोग, स्वामित्व, परिवार के सदस्यों की जानकारी, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोईघर, एलपीजी कनेक्शन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विवरण दर्ज करेंगे। साथ ही मोबाइल, इंटरनेट, वाहन और अन्य परिसंपत्तियों संबंधी जानकारी भी एकत्र की जाएगी।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

# कई समस्याओ का जन सुनवाई के दौरान ही कराया गया निराकरण

**सिंगरौली**

**सिंगरौली,**जिले के विभिन्न अंचलों से आए हुए 170 आवेदकों ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्याओं का आवेदन देते हुए कलेक्टर श्री गौरव बैनल को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर श्री बैनल ने आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए जनसुनवाई में उपस्थित जिला अधिकारियों से कई आवेदनों का निराकरण कराया। जनसुनवाई के दौरान अधिकांश समस्याएं विद्युत व्यवस्था से संबंधित रहीं, जिसे तत्परता के साथ सुधार करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को कलेक्टर द्वारा दिए गए। वहीं कुछ आवेदनकर्ताओं द्वारा विस्थापन से संबंधित समस्याओं के आवेदन दिए गए, जिनका भी निराकरण नियमानुसार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे, अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम सुरेश जाधव सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

**जनगणना 2027- प्रगणकों का प्रशिक्षण संपन्न**

# लापरवाही पर 3 साल की जेल और निलंबन की होगी कार्रवाई

**सिंगरौली**

सिंगरौली,भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य को गति देने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। नगर जनगणना अधिकारी श्रीमती ज्योति सिंह ने जानकारी दी कि नियुक्त किए गए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का अनिवार्य प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है, जिसमें उन्हें डेटा प्रविष्टि के तकनीकी पहलुओं, सावधानियों और मकानों के नंबर डालने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया है। श्रीमती सिंह ने स्पष्ट किया कि जनगणना अधिनियम 1948 की धाराओं के तहत ये सभी कर्मचारी %लोक सेवक% की श्रेणी में आते हैं और उनके लिए इस राष्ट्रीय दायित्व का

निर्वहन करना विधिक रूप से अनिवार्य है। यदि कोई प्रगणक या संबंधित कर्मचारी अपने कर्तव्यों के पालन से इनकार करता है या कार्य में कोताही बरतता है, तो जनगणना अधिनियम की धारा 5 और 11 के प्रावधानों के तहत उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक के कारावास और आर्थिक जुर्माने के साथ-साथ तत्काल प्रभाव से नौकरी से निलंबन भी शामिल है।

नगर जनगणना अधिकारी ने जनगणना से जन कल्याण के इस अभियान में आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि सूचना देना केवल नैतिक ही नहीं, बल्कि कानूनी जिम्मेदारी भी है। जनगणना अधिनियम की * धारा 8 की उपधारा (1) के अंतर्गत, जिस भी व्यक्ति से कोई प्रश्न पूछा जाए, वह कानूनी रूप से अपने सर्वोत्तम ज्ञान या विश्वास के अनुसार ऐसे प्रश्न का उत्तर देने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने सभी प्रगणकों को पूरी निष्ठा के साथ फील्ड कार्य प्रारंभ करने और निर्धारित समय सीमा में शुद्ध डेटा संकलित करने के निर्देश दिए हैं।

# मंडी प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, प्रिंस ऑयल मिल पर लगा 1 लाख का जुर्माना

**सिंगरौली**

**सिंगरौली,** सचिव कृषि उपज मण्डी समिति सिंगरौली द्वारा अवगत कराया गया है कि कलेक्टर श्री गौरव बैनल आदेशा अनुसार एवं उपखंड अधिकारी सह भारसाधक अधिकारी श्री सुरेश जाधव के मार्गदर्शन में मंडी प्रशासन ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 28 अप्रैल 2026 को मंडी सचिव श्री आई.पी. सिंह द्वारा मंडी क्षेत्र के अंतर्गत विंध्यनगर रोड स्थित %मेसर्स प्रिंस ऑयल मिल एवं आटा चक्की% के दुकान व गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर तत्काल प्रकरण तैयार कर माननीय जिला एवं सत्र न्यायालय सिंगरौली को प्रथम सूचना भेजी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित व्यापारी ने किसी भी प्रकार की अदालती कार्यवाही से बचने और समस्त बकाया कर जमा करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। व्यापारी के इस आवेदन को स्वीकार करते हुए उपखंड अधिकारी द्वारा मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (4) के तहत वसूली योग्य मंडी टैक्स 30,167 रुपये जमा करने के आदेश दिए गए। इसके साथ ही, मध्य प्रदेश %जन विश्वास अधिनियम 2025% के तहत मंडी अधिनियम की धारा 48 में हुए नवीन संशोधनों और मंडी बोर्ड भोपाल के निर्देशानुसार, नियमों के उल्लंघन (धारा 6-ख या धारा 31) की स्थिति में व्यापारी पर 1,00,000 रुपये (एक लाख रुपये) की भारी शास्ति (जुर्माना) अधिरोपित की गई है। इस पूरी कार्रवाई में मंडी सचिव के साथ सहायक उप निरीक्षक श्री विनोद कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक श्री अजय पड़वार और सहायक ग्रेड-3 श्री डी.पी.एस. मरावी मुख्य रूप से शामिल रहे।

# मऊगंज में पुलिस पर हमलाः महिला आरक्षक को कमरे में बंद किया, वर्दी फाड़ी; चोरी के मामले में नोटिस देने गई थी टीम

**मऊगंज** मऊगंज जिले के मऊगंज थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। चोरी के मामले में नोटिस तामील कराने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों और आरोपित पक्ष के लोगों ने न केवल हमला कर दिया, बल्कि एक महिला आरक्षक को कमरे में बंद कर बंधक जैसा हाल बना दिया। बताया जाता है कि घटना के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ धक्क ा-मुक्क ी हुई, उनकी वर्दियां फाड़ दी गईं और पुलिस वाहन को रोकने के लिए लोग उसके सामने लेट गए।

### क्या है पूरा मामला

कुलबहेरिया गांव निवासी रामलखन शर्मा पिता कालूराम शर्मा ने सितंबर 2025 में मऊगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके छोटे बेटे और बहू के कमरे में रखी पेटी से करीब 40 हजार रुपये नगद और लाखों रुपये के जेवरात चोरी हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने अपनी बड़ी बहू प्रियंका पर संदेह जताया था, जो घटना के बाद अपने मायके शुकुलगवां चली गई थी।

पुलिस द्वारा लंबे समय से मामले की जांच की जा रही थी। इसी म में आज पुलिस टीम प्रियंका को नोटिस देने उसके मायके शुकुलगवां पहुंची थी।

### नोटिस देने पहुंची पुलिस टीम पर हमला

जैसे ही पुलिस टीम ने घर पहुंचकर नोटिस देने की प्रि या शुरू की, माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि प्रियंका के परिजनों और वहां मौजूद कुछ ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए महिला आरक्षक को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद अन्य पुलिसकर्मियों के साथ धक्क ा-मुक्क ी, मारपीट और अभद्रता की गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ ने पुलिस वाहन के सामने लेटकर रास्ता जाम करने की कोशिश भी की, जिससे हालात और बिगड़ गए।

### फटी वर्दियां, बढ़ा तनाव

घटना के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों की वर्दियां तक फट गईं, जो पुलिस पर हमले की गंभीरता को दर्शाता है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मौके पर मौजूद पुलिस बल को पीछे हटना पड़ा और अतिरिक्त सहायता बुलानी पड़ी।

### अतिरिक्त बल पहुंचा, हालात काबू में

सूचना मिलते ही लौर थाना और मऊगंज थाना से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने किसी तरह महिला आरक्षक को सुरक्षित बाहर निकाला और स्थिति को नियंत्रित किया।

### सरकारी कार्य में बाधा का मामला दर्ज

पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपितों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

### इलाके में दहशत, कानून व्यवस्था पर सवाल

इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। आम लोगों में यह चर्चा है कि यदि पुलिस ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी।

### पुलिस का बयान

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# मऊगंज में विकास के नाम पर मौत के गड्ढे, एमपीआरडीसी की लापरवाही से नाली में गिरी गौमाता

**मऊगंज** मऊगंज नगर के बरहटा रोड वार्ड मांक 2 में विकास कार्यों की कछुआ चाल और कार्यदायी संस्था की घोर लापरवाही अब बेजुबान जानवरों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (स्क्क ष्ठष्ट) द्वारा यहाँ नाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, जिसे आधा-अधूरा छोड़कर सड़क किनारे गहरे गड्ढे खुले छोड़ दिए गए हैं। इन्हीं गड्ढों में से एक में बीती रात एक गौमाता गिर गई, जिसकी जान पर बन आई थी। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के जिला अध्यक्ष सुलेंद्र कुमार गुप्ता अपने साथियों के साथ भ्रमण पर निकले थे। उन्होंने देखा कि एक गाय गहरे गड्ढे में फंसी हुई है और निकलने के लिए छटपटा रही है।

तत्काल उन्होंने अपने साथियों– भास्कर मिश्रा, शंकर लाल गुप्ता, वीरेंद्र सोनी, मनीष पटेल और मुन्ना उपाध्याय को मौके पर बुलाया। सभी ने घंटों की मशक्क त और भारी मेहनत के बाद गौमाता को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय नागरिकों और वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यदि आज किसी इंसान के साथ यह घटना घटी होती, तो सड़क पर शव रखकर चक्क ाजाम किया जाता। चूँकि यह एक बेजुबान जानवर है जो बोल नहीं सकता, इसलिए क्या निर्माण कंपनी को उनकी जान के साथ खिलवाड़ करने की छूट मिल गई है? सवाल यह उठता है कि जिस कंपनी ने नाली का निर्माण किया, उसने गड्ढों को ढकने की जहमत क्यों नहीं उठाई? एमपीआरडीसी के अधिकारियों की मौन सहमति और ठेकेदार की लापरवाही ने पूरे वार्ड को खतरे में डाल दिया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन गड्ढों को भरकर निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। विकास की अंधी दौड़ में सुरक्षा मानकों को ताक पर रखना मऊगंज में आम बात हो गई है।

प्रशासन को चाहिए कि संबंधित निर्माण एजेंसी पर न केवल जुर्माना लगाए, बल्कि यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी किसी लापरवाही से किसी जान का नुकसान न हो।

# गरीबों की लड़ाई में कुशल राजनीति की विवेचना

**मऊगंज** ।हाल ही में नगर परिषद वार्ड 11 में निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट कार्यालय में अवरोध स्वरूप अति मण को हटाया गया सोमवार को कलेक्टर मऊगंज ने विस्थापन हेतु जमीन आवंटन कार्य म रखा था इस कार्य म में पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना भी पहुंचे तभी वे मौसम बारिश ने कार्य म में रुकावट पैदा कर दी सुखेंद्र सिंह बन्ना उन बेबस बेसहारा लोगों की लड़ाई लड़ने पहुंचे थे कार्य म कैंसिल होने की स्थिति में कलेक्टर कार्यालय के लिए वापस होते हैं तभी तेज बारिश होती है और सुखेन्द्र सिंह कलेक्टर की गाड़ी के सामने जाकर खड़े हो जाते हैं तभी गरीबों की लड़ाई लड़ने वाले सुखेंद्र सिंह को देखकर गाड़ी से उतरकर भीगते हुए कलेक्टर कहते हैं कि आप कार्यालय चलिए यहां पर दोनों स्थितियों में स्वभाव मानसिकता और गरीबों की लड़ाई जैसे कई बातें समझने लायक है प्रशासन के बड़े अधिकारी और राजनीति की पराकाष्ठा भी समझना जरूरी है यह घटना कई संदेश और कई प्रश्नों को जन्म देती है निश्चित रूप से सुखेंद्र सिंह जमीनी नेता है लेकिन जमीनी लड़ाई के लिए पराकाष्ठा पर भी विचार करना चाहिए

गरीबों का मकान टूट गया उनकी जमीन चली गई लेकिन उनके हक की लड़ाई के लिए क्षेत्रीय विधायक प्रदीप पटेल को खड़ा होना चाहिए पर खड़े हैं सुखेंद्र सिंह बन्ना जब चुनाव आएगा तो सभी नेता रात भर उनकी टूटी खाट में बैठकर चूल्हे की अधजली रोटी खाकर अपने आप को भाग्यशाली महसूस करेंगे लेकिन जिनका घर टूटा है इंतजार करें वह दौर फिर आएगा

# कब्रों के नीचे से गुजरेगी भोपाल मेट्रो, वक्फ बोर्ड की कमेटी ने जताई आपत्ति

भोपाल

भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो की लाइन को लेकर अब नया विवाद सामने आ गया है। यहां मेट्रो अब कब्रिस्तान के नीचे से गुजरेगी। इसे लेकर वक्फ बोर्ड की कमेटी ने आपत्ति जताई है। कमेटी का कहना है कि इससे कब्रों को नुकसान का खतरा है, मेट्रो का प्लान बदलना चाहिए। मेट्रो परियोजना को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद अब कानूनी हो गया है। भोपाल टॉकीज स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन और नारियलखेड़ा की वक्फ जमीन पर निर्माण के खिलाफ कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग प्रकरण दायर किए हैं। कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंसार उल हक और अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान पैरवी कर रहे हैं। दोनों मामलों में मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। इसके अलावा भोपाल में मेट्रो लाइन को लेकर विवाद को लेकर विधायक आतिफ अकील ने कब्रिस्तान क्षेत्र से लाइन निकालने पर जताया कड़ा विरोध, प्लानिंग बदलने की मांग उठाई।

**अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन पर विवाद गहराया:** पहले प्रकरण में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन निकालने की योजना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया है कि यह कब्रिस्तान न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर के सबसे पुराने और बड़े कब्रिस्तानों में शुमार है, जहां हजारों की संख्या में कब्रें मौजूद हैं। कमेटी का दावा है कि प्रस्तावित मेट्रो लाइन से करीब एक एकड़ क्षेत्र सीधे प्रभावित हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में कब्रों के अस्तित्व और संरचना पर खतरा उत्पन्न होगा। यह भी आरोप लगाया गया है कि मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस क्षेत्र का विस्तृत नक्शा, तकनीकी रिपोर्ट या सुरक्षा आकलन सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे आशंकाएं और बढ़ गई हैं। अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट और अलग-अलग हाईकोर्ट के कई फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि कब्रिस्तान की मूल प्रकृति (नयत) को किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता। उन्होंने दलील दी कि भले ही मेट्रो लाइन को अंडरग्राउंड बताया जा रहा हो, लेकिन कब्रिस्तान के नीचे खुदाई, सुरंग निर्माण और कंपन से वहां मौजूद कब्रों और धार्मिक ढांचों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रस्तावित योजना पर अमल होता है, तो हजारों कब्रें प्रभावित हो सकती हैं, जिससे न केवल धार्मिक भावनाएं आहत होंगी बल्कि यह एक संवेदनशील सामाजिक मुद्दा बन सकता है।

## हजारों कब्रों को नुकसान का खतरा, कहा- प्लान बदलें

**वक्फ अधिकरण से हस्तक्षेप की मांग:** दोनों मामलों में वक्फ अधिकरण से मांग की गई है कि विवादित स्थलों पर मेट्रो निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए, अवैध निर्माण को हटाया जाए और वक्फ संपत्तियों की यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए जाएं। भोपाल उत्तर विधानसभा के विधायक आतिफ अकील ने मेट्रो परियोजना को लेकर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि जब शुरुआत से ही यह स्पष्ट था कि संबंधित क्षेत्र में कब्रिस्तान मौजूद है, तो वहां मेट्रो की प्लानिंग ही नहीं की जानी चाहिए थी। अब यदि योजना बना ली गई है, तो उसे बदलकर कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो लाइन निकालना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर कब्रिस्तान के पास या उसके नीचे से मेट्रो क्यों निकाली जाए। अकील ने कहा कि जिंदा लोगों को तो हम खुश नहीं रख पाए, कम से कम मृतकों को तो शांति से रहने दें। बता दें भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के लिए सोमवार से जमीन के अंदर 24 मीटर गहराई में खुदाई शुरू कर दी गई। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के जरिए कुल 3.39 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई होगी।

### 'बिना अनुमति' निर्माण का आरोप

दूसरा मामला नारियलखेड़ा स्थित वक्फ निशात अफजा (वाके बाग) की जमीन से जुड़ा है, जहां मेट्रो निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। याचिका के अनुसार खसरा नंबर 88 की लगभग 11.93 हेक्टेयर भूमि वक्फ संपत्ति के रूप में विधिवत दर्ज हैं, जिसका पंजीयन वक्फ रजिस्टर में मौजूद है और राजपत्र में भी प्रकाशित किया जा चुका है। कमेटी का दावा है कि इस जमीन का एक हिस्सा उनके प्रबंधन और नियंत्रण में है, बावजूद इसके मेट्रो कंपनी ने बिना अनुमति निर्माण कार्य शुरू कर दिया। वादी पक्ष ने आरोप लगाया है कि करीब 1.40 एकड़ वक्फ भूमि पर गड्ढे खोदकर पिलर निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौके पर भारी मशीनरी लगाकर सरिया डाला जा रहा है और बड़े पैमाने पर मिट्टी व निर्माण सामग्री का मलबा जमा किया गया है। कमेटी का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई न केवल वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण है, बल्कि इससे भूमि की मूल स्थिति को भी नुकसान पहुंच रहा है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मेट्रो कंपनी को कई बार लिखित रूप से नोटिस देकर निर्माण कार्य से संबंधित नक्शा, स्वीकृति और अधिग्रहण की जानकारी मांगी गई, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। अधिवक्ता अंसार उल हक के अनुसार, वक्फ अधिनियम के तहत किसी भी वक्फ संपत्ति का उपयोग या अधिग्रहण करने से पहले विधिक प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य है, जिसमें वक्फ बोर्ड को नोटिस देना और उसकी अनुमति लेना शामिल है। उन्होंने कहा कि बिना इन प्रक्रियाओं का पालन किए किया गया निर्माण पूरी तरह अवैध और कानून के विरुद्ध है।

## न्यूज ट्रेक

### सिंधी मेला समिति के पारिवारिक मेले का समापन

**भोपाल।** सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेले का समापन को हो गया। अंतिम दिन समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षक के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग बंद करने, जल संरक्षण करने और ऊर्जा की बचत करने का संकल्प लिया गया। मेला की समाप्ति पर परिसर को स्वच्छ रखने के लिए सभी सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई और कुछ ही घंटे में मेला परिसर को साफ किया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि सिंधी मेला समिति का हर सदस्य पर्यावरण संरक्षण को सिर्फ एक दिन का अभियान नहीं बनाएं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाकर प्रतिदिन इस संकल्प को अपनाएं। मेले के अंतिम दिन समाज के लोगो का उत्साह देखने लायक था लोगों ने अपने पूरे परिवार के साथ मेले का भरपूर आनंद लिया और स्वादिष्ट सिंधी व्यंजनों का स्वाद चखा, मेले के अंतिम दिन पुरस्कारों का भी वितरण अतिथियों द्वारा दिया गया।

### ट्रेन में सफर कर रहे यात्री का आउटर पर छीना मोबाइल

**भोपाल।** मुख्य स्टेशन और निशातपुरा रेलवे स्टेशन के बीच सक्रिय झपटमारों ने फिर एक यात्री का मोबाइल छीन लिया। वारदात झेलम एक्सप्रेस में सवार यात्री के साथ आधी रात को हुई थी। पुलिस ने इस मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पुणे से झांसी के बीच चलने वाली 11077 झेलम एक्सप्रेस में रविन्द्र कुमार सफर कर रहे थे। वह जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे। वह गेट पर खड़े होकर परिजनों से फोन पर बातचीत कर रहे थे। उस वक्त ट्रेन को आऊटर पर धीमा किया था। तभी बदमाश आया और उसने झपट्टा मारकर ओप्पो कंपनी का मोबाइल छीन लिया।

### अरविंद विहार कॉलोनी के सूने मकान में चोरी की वारदात

**भोपाल।** अरविंद विहार कॉलोनी के दो घरों को चोरों ने निशाना बनाया। चोरी की वारदात उन घरों में हुई है जिनमें परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। मामले की जांच बागसेवनिया थाना पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार केसी फिलीपोस पिता वर्गीस चाको केरल गए हुए थे। वे दुग्ध संघ के सेवानिवृत्त अफसर भी है। केसी फिलोपोस ने पुलिस को बताया है कि वे 24 मार्च को ताला लगाकर पुश्तैनी घर गया था। उनके पास पड़ोसी ने बताया कि उनके घर में चोरी की वारदात हुई है।

### जांच में सुरक्षा उपकरण और लाइफ जैकेट बेहद खराब मिलीं, अवैध नावों का संचालन रोका

# दो साल से बिना लाइसेंस 'जल विहार' करा रही थीं 120 नावें, फटे हुए लाइफ जैकेट से सुरक्षा!

भोपाल

भोपाल के बड़े तालाब में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के दावों के बीच बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले दो वर्षों से करीब 120 नावें बिना वैध लाइसेंस के संचालित हो रही थीं, जिनमें कई नावों में सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की जा रही थी।

यह खुलासा तब हुआ जब बरगी डैम हादसे के बाद प्रशासन ने जल स्त्रोतों में सुरक्षा को लेकर सख्ती शुरू की। नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा की गई जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 के बाद से इन नावों के लाइसेंस का नवीनीकरण ही नहीं कराया गया था। इस खुलासे के बाद प्रशासन हरकत में आया और बिना लाइसेंस संचालित नावों को तत्काल प्रभाव से बंद कर किनारे बंधवा दिया गया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई नावों में रखी लाइफ जैकेटें बेहद खराब स्थिति में थीं, जिनके बेल्ट टूटे हुए थे या वे उपयोग के लायक नहीं थीं।

#### जांच में उजागर हुई बड़ी खामियां

नगर निगम के अधिकारियों ने जब बोट क्लब पहुंचकर निरीक्षण किया तो पाया कि अधिकांश नावों में सुरक्षा उपकरण केवल दिखावे के लिए रखे गए थे। लाइफ जैकेट्स की स्थिति इतनी खराब थी कि वे दुर्घटना के समय मदद करने के बजाय खतरा बन सकती थीं। कार्रवाई के बाद मंगलवार को नाव संचालक लाइसेंस नवीनीकरण के लिए बोट क्लब पहुंचे। दिनभर चली प्रक्रिया में 41 निजी नाव संचालकों ने अपने लाइसेंस रिन्यू कराए, जिससे नगर निगम को करीब 5.17 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद बोट क्लब क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी नियमित जांच की जाएगी और बिना लाइसेंस या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

#### सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण

बड़े तालाब में नौकायन भोपाल के पर्यटन उद्योग का प्रमुख इंजन है। बोट क्लब पर हर रोज औसतन 2500 से 3000 लोग पहुंचते हैं। इनमें से कम से कम 1500 से 2000 लोग पैडलबोट, शिकारा अथवा डोंगी की सवारी जरूर करते हैं। अनुमान है कि यह 15 से 20 करोड़ सालाना का कारोबार है। इस व्यवस्था की निगरानी और प्रबंधन पर्यटन विकास निगम और भोपाल नगर निगम के पास है। इसके बावजूद लापरवाही बरती जा रही है।

### भेल का नया फॉर्मूला, कम उत्पादन, ज्यादा मुनाफा

भोपाल

पब्लिक सेक्टर की पारंपरिक ज्यादा उत्पादन, ज्यादा सफलता वाली सोच अब बदल रही है। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की भोपाल यूनिट ने इस फॉर्मूले को री-डिफाइन करते हुए 'कम में ज्यादा कमाई' का मॉडल अपनाया है। जहां फोकस अब क्वांटिटी नहीं, बल्कि क्वालिटी, कैश फ्लो और कॉस्ट कंट्रोल पर है। भेल भोपाल के कार्यपालक निदेशक पी के उपाध्याय ने साफ संकेत दिया कि यूनिट अब 'वैल्यू एडिशन परफॉर्मेंस' के जरिए प्रॉफिटेबिलिटी को नई ऊंचाई देने की रणनीति पर काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भोपाल यूनिट का टर्नओवर 4647 करोड़ रुपए रहा। प्री-टैक्स प्रॉफिट 581 करोड़ रु है। हर 100 रुपए के बिजनेस पर 12.5 रुपए मुनाफा हुआ। यह पीएसयू सेक्टर में मजबूत मार्जिन माना जाता है। कॉरपोरेट स्तर पर भेल ने 33,782 करोड़ रु का राजस्व और 2116 करोड़ रु का पीबीटी दर्ज किया, जिसका बड़ा योगदान भोपाल यूनिट से आया।

ईडी बोले हमारे पास 75916 करोड़ के ऑर्डर बुक किए गएहैं। 31 मार्च 2026 तक 2 लाख 40 हजार करोड़ रु के आर्डर हमारे पास आ चुके थे। वित्तीय वर्ष 2026 ,27 में 4716 करोड़ रुपए का लक्ष्यहै । भेल के अधिकारियों ने यह बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस से लेकर अफ्रीकी देश मोजांबिक की ट्रेन तक के लिए भेल भोपाल यूनिट ने मशीनें और मोटर बनाकर भेजे। ये यहीं का योगदान है।

## आधी रात थाने पहुंचे पुलिस अधीक्षक

भोपाल

पुलिस अधीक्षक देहात पंकज पांडे ने सोमवार को भोपाल देहात की कुर्सी संभाल ली। जिसके बाद वे रात को ही ईंटखेड़ी और बैरसिया थाने में निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने थाने में पदस्थ अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों से अपराधी व अपराध के तरीके को लेकर मंथन किया। पंकज पांडे इससे पहले रायसेन जिले में पदस्थ थे। उन्होंने रामशरण प्रजापति के स्थान पर कुर्सी संभाली है। पंकज पांडे ने बताया कि उन्होंने आकस्मिक निरीक्षण किया जरूर है, लेकिन वह अपराध के तरीके को समझने के लिए ईटखेड़ी और बैरसिया थाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सभी थानों को सार्वजनिक स्थल पर कारोबार करने वाले व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए मुहिम चलाने बोला है। इसके लिए सभी थाना स्तर पर बैठक करके इसके लिए सार्थक पहल की जा रही है। एसपी ने बताया कि अमूमन कारोबारी अपने प्रतिष्ठान के हिसाब से कैमरा लगाते हैं। पुलिस थानों से कहा गया है कि उनका क्षेत्र प्रतिष्ठान के अलावा सड़क तक भी दिखे ऐसा करने के लिए बोला गया है। भोपाल देहात क्षेत्र में सात थाने हैं। इससे पहले उन्होंने डीआईजी राजेश सिंह चंदेल समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

### मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति की लघुकथा कार्यशाला

# लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की जरूरत - डॉ. सूर्यकांत नागर

भोपाल

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूर्यकान्त नागर ने कहा कि लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। आज लघुकथा को सहजता से लेने वालों के कारण लेखकों की बाढ़ सी आ गई है जो ठीक नहीं है। वे मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर द्वारा आयोजित एक दिवसीय लघुकथा लेखन कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

इस कार्यशाला में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया और लघुकथा सृजन की बारीकीयों को वरिष्ठ लघुकथा लेखकों द्वारा समझा, कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के शिक्षा मंत्री उमेश पारेख ने इस कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विषय प्रवर्तन करते हुए अपनी बात साहित्य मंत्री डॉ.पदमा सिंह ने रखी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में तरुण भटनागर व विशिष्ट अतिथि के रूप में घनश्याम मैथिल अमृत उपस्थित थे। लघुकथा का वर्तमान स्वरूप व कलात्मकता पर वरिष्ठ साहित्यकार ज्योति जैन ने और लघुकथा में विषय चयन पर वरिष्ठ लघुकथाकार संतोष सुपेकर ने अपनी बात रखी। सत्र की अध्यक्षता कर रही कांता रॉय ने विस्तार से कार्यशाला में अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर अरविन्द जवलेकर तथा राकेश शर्मा सम्पादक वीणा सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

### प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में हुआ एमओयू

# अब मोबाइल मेडिकल यूनिट से की जाएगी मुफ्त जांच

भोपाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश और सनोफी इंडिया लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) विशेषकर मधुमेह की शीघ्र पहचान, जागरूकता और बेहतर प्रबंधन को मजबूत करना है। इस समझौते पर एनएचएम मध्यप्रदेश की मिशन डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना और सनोफी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक अरोड़ा ने हस्ताक्षर किए।

डॉ. सिडाना ने कहा कि यह साझेदारी विशेष रूप से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से लोगों को उनके ही क्षेत्र में निःशुल्क जांच, उपचार और टेली-परामर्श की सुविधा दी जाएगी। इससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य एनसीडी की शुरुआती पहचान और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। इस एमओयू के तहत दुर्लभ बीमारियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिसमें शीघ्र निदान, निःशुल्क जांच और उन्नत तकनीकों के माध्यम से उपचार शामिल है। साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। इसके अलावा स्कूल स्तर पर 'किड्स एंड डायबिटीज इन स्कूल्स (किड्स)' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को स्वस्थ जीवनशैली, पोषण और रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया जाएगा। एमओयू के अंतर्गत सिंगरौली, बालाघाट और अनूपपुर जिलों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स शुरू की जाएंगी। इन यूनिट्स में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, जांच सुविधाएं और डॉक्टरों से टेली-कंसल्टेशन की व्यवस्था होगी। शुरुआती चरण में यह सेवा इन्हीं तीन जिलों में लागू होगी और बाद में अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। सनोफी इंडिया के एमडी दीपक अरोड़ा ने कहा कि भारत में बढ़ते एनसीडी मामलों को देखते हुए शीघ्र पहचान और समय पर उपचार आवश्यक है। ये साझेदारी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और मरीजों के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## पक्षियों के लिए दाना-पानी का संदेश

भोपाल

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय संत हिरदाराम नगर, भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से दाना-पानी अभियान का आयोजन किया गया।

इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए दाना एवं पानी उपलब्ध कराने का संदेश दिया। कार्यक्रम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि सिलारपुरिया की देखरेख में किया गया। रासेयो स्वयंसेवक समिति अध्यक्ष मोहित नरवरिया के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

### साईं आसनलाल साहिब का जन्मोत्सव आज

**संतनगर।** भगवान झूलेलाल जी के 24वें वंशज, ठकुर साईं आसनलाल साहिब जी का 115वां जन्मोत्सव छह मई बुधवार को मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से पुराना संत हिरदाराम नगर स्थित ठकुर आसनलाल धर्मशाला (बी वार्ड) में धार्मिक कार्यक्रम होंगे। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत आसवानी ने बताया कि देश विभाजन के चुनौतीपूर्ण काल में साईं आसनलाल साहिब जी ने सिंधी समाज के बिखराव को रोकने और उन्हें एकजुट करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने न केवल भगवान झूलेलाल जी के भक्ति मार्ग को पुनर्जीवित किया, बल्कि समाज की धार्मिक आस्था को भी नई ऊर्जा दी। उनके आदर्श लाखों अनुयायियों के लिए प्रेरणापुंज बने हुए हैं।

## जनादेश की धड़कन

लोकतंत्र के विशाल रंगमंच पर जब जनादेश अपनी अंतिम पंक्ति लिखता है, तो वह केवल विजेताओं का उत्सव नहीं होता-वह समय के मनोभावों का आईना भी होता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर भारतीय राजनीति के केंद्र में उस प्रश्न को ला खड़ा किया है, जो हर चुनाव के बाद नए सिरे से जन्म लेता है-क्या यह जीत 'परफॉर्मेंस' की है, या परिस्थितियों की? दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में जश्न की रोशनी जितनी चमकीली है, उतनी ही गहरी उसकी राजनीतिक अर्थवत्ता भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स' की विजय कहा। यह वाक्य, एक साधारण राजनीतिक घोषणा से अधिक, उस विचारधारा का विस्तार है जिसमें शासन को सेवा और परिणामों के तराजू पर तौला जाता है। 'नागरिक देवो भव' का मंत्र इसी दर्शन का काव्यात्मक रूप है- जहां जनता केवल मतदाता नहीं, बल्कि केंद्र बिंदु बन जाती है। गंगोत्री से गंगासागर तक 'कमल' के खिलने की बात एक राजनीतिक रूपक है, जो सत्ता के विस्तार को सांस्कृतिक प्रतीकों में पिरोता है। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिली सफलता केवल भौगोलिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उस रणनीति का परिणाम है जिसमें स्थानीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय विमर्श को एक सूत्र में बांधने की कोशिश की गई। असम में लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा, और पुडुचेरी में विकास के विजन पर जनता की मुहर-ये संकेत हैं कि मतदाता अब वादों से अधिक परिणामों को तरजीह देने लगा है। लेकिन लोकतंत्र की सबसे सुंदर तस्वीर मतदान प्रतिशत में उभरती है। पश्चिम बंगाल का 93% मतदान और अन्य राज्यों में रिकॉर्ड भागीदारी यह बताती है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार है। विशेषकर महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति इस कथा को और उजला बनाती है। फिर भी, हर विजय अपने साथ कुछ अनुत्तरित प्रश्न छोड़ जाती है। क्या यह जनादेश सत्ता के प्रदर्शन की स्वीकृति है, या विपक्ष की शिथिलता का परिणाम? क्या ह्यपरफॉर्मेंसह्ल का यह विमर्श हर उस नागरिक की अपेक्षाओं को छू पाता है, जो अभी भी व्यवस्था के किनारों पर खड़ा है? राजनीति में जीत अंतिम सत्य नहीं होती, वह केवल एक अध्याय होती है। असली कथा उसके बाद लिखी जाती है- जब वादों को नीतियों में और नीतियों को जमीनी बदलाव में बदलना होता है।

# बदलते बंगाल की नई इबारत: वाम से ममता और अब भाजपा!

**डॉ. मयंक चतुर्वेदी**
स्तंभकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से विचारधाराओं, आंदोलनों और सत्ता संघर्षों की प्रयोगशाला रही है। 1977 से 2011 तक वामपंथ का लंबा शासन, उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का उदय और अब 2026 में भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट बहुमत- ये तीनों चरण वास्तव में इस राज्य के लिए जनमानस के बदलते विश्वास का प्रतिबिंब हैं।

1977 में ज्योति बसु के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में आया और अगले 34 वर्षों तक उसने राज्य की राजनीति पर एकछत्र राज किया। शुरुआती वर्षों में भूमि सुधार और पंचायत सशक्तिकरण जैसे कदमों ने ग्रामीण समाज को नई दिशा दी, लेकिन समय के साथ यही शासन तंत्र जड़ता का शिकार हो गया। सत्ता का केंद्रीकरण, राजनीतिक हिंसा और औद्योगिक विकास की कमी, हिन्दू अत्याचार, मुस्लिम तुष्टिकरण से जैसे राज्य की सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक गति को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था।

**नंदीग्राम और सिंगूर: बदलाव की चेतना:** 2007 के नंदीग्राम और सिंगूर आंदोलनों ने वामपंथी शासन की नींव को हिला दिया। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उठे इन जनआंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता अब विकास के नाम पर जबरदस्ती स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इन घटनाओं ने जनता के भीतर परिवर्तन की इच्छा को मजबूत किया।

**ममता बनर्जी का उदय और उम्मीदों का नया दौर:** 2011 में ममता बनर्जी ने 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ सत्ता संभाली। ममता बनर्जी ने खुद को गरीबों, किसानों और आम लोगों की नेता के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी लोकप्रियता चरम पर थी और लगा कि बंगाल एक नई दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता चला, लोगों के ध्यान में आया कि ममता बनर्जी भी उसी राह पर चल पड़ी हैं, जिसके चलते वामपंथी शासन का किला यहां की जनता ने ढहाया था। समय के साथ ममता सरकार पर भी वही आरोप लगने लगे जो कभी वामपंथ पर लगते थे। 'कट मनी ', राहत घोटाले और प्रशासनिक पक्षपात जैसे मुद्दों ने सरकार की विश्वसनीयता को कमजोर किया। स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का बढ़ता प्रभाव और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव ने शासन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

**राजनीतिक हिंसा: एक स्थायी चुनौती:** पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा एक गंभीर समस्या रही है। 2021 के चुनावों के बाद हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा। आरोप लगे कि विपक्षी कार्यकर्ताओं विशेष तौर पर बीजेपी के कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारियों को निशाना बनाया गया। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे और जनता के भीतर असुरक्षा की भावना बढ़ी।

**महिला सुरक्षा और सामाजिक असंतोष:** महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों, विशेष रूप से आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं ने सरकार की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाया। जिस 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ ममता बनर्जी ने सत्ता संभाली थी, ध्यान में आया कि उनके शासन में लगातार महिलाओं पर हिंसा बढ़ी है, बलात्कार के अनेक मामले एक के बाद एक यहां सामने आए हैं। जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं का एक बड़ा वर्ग सरकार से निराश होता गया। यह असंतोष धीरे-धीरे राजनीतिक रूप लेने लगा और चुनावी परिणामों में आज इसका असर स्पष्ट दिखाई दिया है।

**भाजपा का प्रवेश: विकल्प की तलाश का उत्तर:** भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल में धीरे-धीरे अपनी जड़ें मजबूत कीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 में से 18 सीटें जीतकर पार्टी ने यह संकेत दे दिया था कि वह अब एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी छवि ने पार्टी को विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां देखने में आता है कि भाजपा ने केवल चुनावी रणनीति पर ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक विस्तार पर भी जोर दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति और लगातार जनसंपर्क ने पार्टी को मजबूत आधार दिया। यह विस्तार सामाजिक स्तर पर भी प्रभावी साबित हुआ और आज भाजपा यहां निर्णायक सत्ताधारी दल के रूप में स्थापित होने जा रही है।

**जनादेश का निर्णायक संदेश:** अब तक के सामने आए विधानसभा चुनाव में बढ़त को देखकर लगता है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। यहां हुआ 92 प्रतिशत से अधिक मतदान यह दर्शाता है कि जनता ने इस बार निर्णायक बदलाव का मन बना लिया था। जोकि शासन के प्रति जनता के असंतोष का स्पष्ट संदेश है। कहना होगा कि भाजपा की जीत आज उस व्यापक जनभावना का परिणाम है जो बदलाव चाहती थी। लोगों ने भाजपा को एक ऐसे विकल्प के रूप में देखा जो स्थिरता, विकास और मजबूत शासन दे सकता है। भाजपा के सत्ता में आने से केवल सरकार नहीं बदलेगी, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में भी बदलाव की उम्मीद की जा रही है। हिंसा मुक्त चुनाव, पारदर्शी प्रशासन और विकास केंद्रित राजनीति, ये वे अपेक्षाएं हैं जो जनता भाजपा से कर रही है।

**आर्थिक विकास की नई उम्मीदें:** बंगाल लंबे समय से औद्योगिक विकास में पिछड़ता रहा है। भाजपा के नेतृत्व में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। केंद्र और राज्य के बेहतर समन्वय से विकास को गति मिल सकती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति का यह सफर दर्शाता है कि जनता हमेशा बदलाव की तलाश में रहती है। 34 वर्षों का वाम शासन, 15 वर्षों का तृणमूल शासन और अब भाजपा का उदय, आज ये सभी उस लोकतांत्रिक चेतना के प्रतीक हैं जो समय-समय पर खुद को अभिव्यक्त करती है। 2026 का जनादेश पश्चिम बंगाल के लिए एक नई दिशा की शुरुआत है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व में बंगाल एक नए अध्याय की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा और उपभोक्ताओं पर पड़ता बोझ

**कांतिलाल मांडोत**
स्तंभकार

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा।अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए। विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है। सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**हेल्थ अपडेट**

# हमेशा एयर कंडीशनर में रहने से हो सकता है इम्युनिटी पर असर

**एयरकंडीशनर** हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। घर से लेकर ऑफिस तक, दिन का ज्यादातर हिस्सा एसी में गुजरता है। इसके अपने फायदे हैं, लेकिन कुछ नुकसान भी होते हैं। लगातार ठंडी और ड्राई हवा में रहने से इम्यूनिटी कमजोर पड़ सकती है। साथ ही बंद कमरे का माहौल और टेम्परेचर में बार-बार बदलाव सेहत के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में जरूरी है कि एसी के इस्तेमाल के साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

एक्सपर्ट के मुताबिक लगातार ठंडे टेम्परेचर में रहने से शरीर की थर्मोरेगुलेशन प्रक्रिया स्लो हो जाती है। कम वेंटिलेशन वाले कमरों में कार्बन डाइऑक्साइड और इनडोर पॉल्यूशन बढ़ सकता है। एयर फ्लो के सामने बैठने से आंखों में ड्राईनेस और जलन हो सकती है। टेम्परेचर में बार-बार बदलाव से मसल स्टिफनेस और सिरदर्द हो सकता है। एसी फिल्टर गंदा होने पर एलर्जन और धूल के कण से इन्फेक्शन हो सकता है। लगातार ठंडे वातावरण में रहने से शरीर बाहरी टेम्परेचर के अनुसार एडजस्ट नहीं हो पाता है। इससे इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है।

ड्राई एयर से म्यूकस मेम्ब्रेन की नमी घट जाती है, इससे संक्रमण हो सकता है और धूप न मिलने से विटामिन-D की कमी हो सकती है।

बंद जगहों में वायरस और बैक्टीरिया का ट्रांसमिशन तेजी से होता है। स्किन ड्राईनेस और डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिससे स्किन बैरियर कमजोर होता है। कमजोर इम्यूनिटी और लो फिजिकल एक्टिविटी वालों को सर्कुलेटरी प्रॉब्लम हो सकती है।

हालांकि बहुत अधिक गर्मी में एसी शरीर को ओवरहीटिंग और हीट-स्ट्रेस से बचाने में मदद करता है। इसलिए समस्या एसी नहीं, बल्कि बार-बार ठंडे और गर्म माहौल में बदलाव है। शरीर को टेम्परेचर के अनुसार खुद को एडजस्ट करने के लिए समय चाहिए। स्टेबल टेम्परेचर पर रहना थर्मल एडैप्टेशन को संतुलित रखता है। अरब देशों में सेंट्रलाइज्ड एसी और बेहतर वेंटिलेशन के कारण कम रिस्क होता है । ऐसी के टेम्परेचर 24-26एष्ट के बीच रखना शरीर के लिए आरामदायक माना जाता है। लगातार कई घंटों तक बैठने की बजाय बीच-बीच में ब्रेक लेकर मूवमेंट करें। कमरे में कुछ समय खिड़की खोलकर फ्रेश एयर सर्कुलेशन बनाए रखने से परेशानी नहीं होगी।

### सुविचार

महानता कभी ना गिरने में नहीं है,
बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
–अज्ञात

### निशाना

## वक्त बीत जाने के बाद..!

**दिनेश मालवीय 'अश्क'**

वक्त को पहचाना, वक्त बीतने के बाद
प्यास भी जगी तो घट रीतने के बाद।
कुछ नहीं इंसान यहां जो है वक्त है
सीखने कुछ न रहा,यह सीखने के बाद।
पूछिए जाकर सिकंदर से यह कब्र मे
क्या लगा उसको जहां को जीतने के बाद ।
कोई भी तस्वीर बसी दिल में फिर नहीं
आंख से तस्वीर तेरी खींचने के बाद।
बागबां रखता न कुछ उम्मीद चमन से
खून-पसीने से उसे सींचने के बाद।
आंख है खुली तो जहां का वजूद है
कुछ भी नहीं है, आंख तेरे मींचने के बाद।
हीरे, जवाहरात सब खुद में ही मिलेंगे
हमको खुला यह सागर उलीचने के बाद।

**टेक्नो अपडेट**

# ओपन एआई के पहले स्मार्टफोन में होगा मीडियाटेक प्रोसेसर, 3 करोड़ यूनिट बनाने की तैयारी

**सैम** ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारियों में है। रिपोर्टों में दावा है कि यह फोन साल 2027-28 तक मार्केट में आ सकता है। सबसे अधिक कयास इसके फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस के लिए लगाए जा रहे हैं। एनालिस्ट-मिंग ची कुओ के हवाले से सामने आया है कि ' ओपनएआई स्मार्टफोन ' में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9600 चिपसेट दिया जा सकता है। यह कस्टमाइज्ड प्रोसेसर होगा जिसे खासतौर पर ओपनएआई स्मार्टफोन के लिए तैयार किया जा रहा है।

ओपनएआई स्मार्टफोन' में मिलने वाले प्रोसेसर को wnm प्रोसेस पर तैयार किया जा सकता है। इसमें LPDDR6 रैम के साथ UFS 5.0 मिलने की उम्मीद है। आसान भाषा में समझाएं तो इन हाईटेक खूबियों के साथ यह डिवाइस तेजी से अपने टास्क पूरे करेगी। फाइलें ट्रांसफर करना आसान होगा। कहा जाता है कि कंपनी, कैमरा सेंसर पर ध्यान देने के बजाए इन्हैंस्ड HDR देने का लक्ष्य लेकर चल रही है, ताकि फोन के लिए रियल-वर्ल्ड की चीजों को देखना और समझना आसान हो जाए। मिंग ची कुओ का कहना है कि ओपनएआई स्मार्टफोन का प्रोडक्शन साल 2027 की पहली छमाही में शुरू हो सकता है। 1 साल के अंदर कंपनी 3 करोड़ यूनिट बना सकती है।

पहले ऐसी खबरें आ रही थीं कि कंपनी एआई पावर्ड ईयरबड्स या स्पीकर लाने पर विचार कर रही है, लेकिन अब स्मार्टफोन को लेकर अधिक खबरें आ रही हैं। पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ रहा है। ओपनएआई का चैटजीपीटी भी दुनिया में बहुत पॉपुलर है। हाल की कुछ रिसर्च में सामने आया है कि लोग अब ऐसे स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं जिनमें एआई फीचर्स मौजूद हों। ऐसा लगता है कि ओपनएआई, लोगों के मिजाज को भुनाना चाहती है। अगर वह स्मार्टफोन की दुनिया में दस्तक देती है तो यह लोगों के लिए नया अनुभव होगा।

**ना एंड्रॉयड, ना iOS :** ओपनएआई स्मार्टफोन को लेकर कहा जाता है कि वह ना तो एंड्रॉयड ओएस पर चलेगा ना ही iOS पर। सिस्टम में पूरा काम एआई की मदद से किया जाएगा। कॉलिंग और मैसेजिंग के लिए भी लोगों को एआई की मदद मिलेगी। लोग सिर्फ बोलकर, कॉलिंग और मैसेजिंग कर पाएंगे। पहले आई रिपोर्ट में हमने जाना था कि ओपनएआई ने पहला 'AI फर्स्ट' फोन डेवलप करने के लिए क्वॉलकॉम और मीडियाटेक जैसी कंपनियों से हाथ मिलाया है। साथ ही Luxshare से भी भागीदारी की है, जो ओपनएआई के पहले एआईफोन के लिए डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग का काम संभालेगी। यह ऐसा स्मार्टफोन होगा जो ना तो आईओएस होगा और ना ही एंड्रॉयड पर चलेगा।

**वायरल कंटेंट**

# पढ़ाई छोड़ मोबाइल में डूबी बेटी, नजर रखने के लिए मां-बाप को रखने पड़े बाउंसर

**इन** दिनों इंटरनेट पर एक कहानी सबका ध्यान खींच रही है, जिसमें बताया जा रहा है, एक 16 वर्षीय लड़की की मोबाइल की लत इतनी गंभीर हो गई कि उसके परिवार को उसकी निगरानी के लिए पेशेवर बाउंसर रखने पड़े। आज के समय में बच्चों और स्मार्टफोन के बीच बढ़ती नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं, लेकिन गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया एक मामला इस समस्या का खतरनाक रूप देखने को मिला है। यहां एक 16 वर्षीय लड़की की मोबाइल की लत इतनी गंभीर हो गई कि उसके परिवार को उसकी निगरानी के लिए पेशेवर बाउंसर रखने पड़े।

बताया जा रहा है कि यह लड़की सोशल मीडिया और फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म्स पर इतना समय बिताने लगी थी कि वह अनजान लोगों से घंटों बातचीत करने लगी। धीरे-धीरे उसकी यह आदत और भी खतरनाक हो गई, जब वह घरवालों से छिपकर ऑनलाइन मिले लोगों से मिलने बाहर जाने लगी। माता-पिता के लिए चिंता की स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब उन्होंने उसका फोन छीना और बदले में लड़की का व्यवहार बेहद आक्रामक हो गया। एक घटना में उसने गुस्से में अपनी मां पर हमला कर दिया और घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इतना ही नहीं, उसने अपने ऊंचे अपार्टमेंट की खिड़की से टीवी और माइक्रोवेव जैसे महंगे सामान नीचे फेंक दिए। इस स्थिति को संभालना परिवार के लिए बेहद मुश्किल हो गया। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर दवाइयों के साथ सख्त निगरानी जरूरी समझी गई।

इसी कारण परिवार ने चार बाउंसरों को दो शिफ्टों में नियुक्त किया है, जो दिन-रात किशोरी पर नजर रखते हैं। इसके लिए परिवार को हर महीने करीब 65 हजार रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। बाउंसरों का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि वह लड़की खुद को या दूसरों को नुकसान न पहुंचाए और किसी जोखिम भरे कदम से दूर रहे। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ रहे हैं। सूरत में एक अन्य परिवार ने अपने 17 वर्षीय बेटे की गेमिंग लत के चलते आठ बाउंसर रखे थे। वहीं वडोदरा और राजकोट जैसे शहरों में भी माता-पिता बच्चों के आक्रामक व्यवहार, गलत संगत या नशे की आदतों से निपटने के लिए सुरक्षा सेवाओं का सहारा ले रहे हैं, जिसका खर्च काफी ज्यादा होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बाद बच्चों में डिजिटल निर्भरता काफी बढ़ी है। यह समस्या अब नशे की लत की तरह गंभीर होती जा रही है, जहां सामान्य समझाइश या अनुशासन काम नहीं करता। कई मामलों में बच्चों को लंबे समय तक चिकित्सा देखभाल और निगरानी की जरूरत पड़ती है, जिससे यह साफ है कि यह एक उभरती हुई बड़ी सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है।

# महंगी हुई कैलाश यात्रा, बढ़ाए गए 35 हजार रुपये

**अब प्रति यात्री देने होंगे 2.09 लाख**

*नैनीताल। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए इस वर्ष यात्रियों की संख्या बढ़ाई जाने के बाद अब यात्रा के खर्च में भी 35 हजार रुपये की वृद्धि कर दी गई है। यात्रा खर्च बढ़ाने के पीछे डॉलर की कीमत में वृद्धि का हवाला दिया गया है। बीते वर्ष यात्रा का कुल खर्च लगभग 1.74 लाख रुपये था जो इस वर्ष 2.09 लाख हो गया है। इसमें केएमवीएन को देय राशि 65 हजार रुपये होगी। भारतीय क्षेत्र में यात्रा, आवास, भोजन, गाइड आदि की व्यवस्था कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) करता है। बीते वर्ष केएमवीएन की ओर से लिया जाने वाला शुल्क 57 हजार रुपये प्रति यात्री था जिसमें इस बार आठ हजार रुपये की वृद्धि की गई है। तिब्बत में वीजा सहित अन्य खर्च अलग से विदेश मंत्रालय को देय होंगे जिसमें 1400 डॉलर शामिल हैं। केएमवीएन के महाप्रबंधक विजय नाथ शुक्ला ने बताया कि सरकार ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के शुल्क की घोषणा कर दी है। यात्रियों का रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो चुका है। बीते वर्ष 10 समूहों में कुल 250 यात्री गए थे। इस वर्ष 50-50 यात्रियों के 10 दल जाएंगे।*

## न्यूज ट्रेक

### भुवनेश्वर के अपार्टमेंट में भीषण आग, दो जिंदा जले, कई घायल

**भुवनेश्वर।** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के लक्ष्मीसागर थाना क्षेत्र स्थित बसंत भिल्ला अपार्टमेंट में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला और एक पुरुष, जो अपार्टमेंट में केयरटेकर के रूप में कार्यरत थे, जिंदा जल गए। दोनों के शव मौके से बरामद किए गए हैं।प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी, जिससे दोनों केयरटेकर अंदर ही फंस गए और बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। बताया जा रहा है कि मृतक लंबे समय से अपार्टमेंट में कार्यरत थे और निवासियों के बीच भरोसेमंद माने जाते थे। उनकी अचानक हुई मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

### बेंगलुरु में इसरो कैंपस के ऊपर ड्रोन मंडराने के बाद मचा हड़कंप

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के बेंगलुरु में इसरो के आईएसआईटीई परिसर के ऊपर कथित तौर पर एक ड्रोन को उड़ता हुआ देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि इसरो का यह परिसर एक 'ड्रोन निषेध क्षेत्र' है। पुलिस ने बताया कि यह घटना दो मई को सुबह करीब आठ बजकर 16 मिनट पर घटी। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक सब इंस्पेक्टर की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई, जिन्होंने आईएसआईटीई (सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्ट एस्टैब्लिशमेंट) परिसर के ऊपर लगभग 80 से 100 फुट की ऊंचाई पर 10 से 12 सेकंड तक एक अज्ञात ड्रोन को उड़ते हुए देखा था। एफआईआर के अनुसार, इसरो आईएसआईटीई परिसर एक अत्यंत संवेदनशील और प्रतिबंधित क्षेत्र है, जिसे 'ड्रोन निषेध क्षेत्र' घोषित किया गया है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत हवाई गतिविधि सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

### बच्चे का अपहरण कर हत्या करने का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

**हरदोई।** यूपी के हरदोई जिले में बच्चे का अपहरण कर हत्या का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया, वहीं एसओजी प्रभारी को भी गोली लगी। आरोपी ने दुष्कर्म की नीयत से बच्चे का अपहरण किया था, इसके बाद उसकी हत्या कर घरवालों से फिरौती मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, मल्लावां के बाबटमऊ निवासी अकील का आठ वर्षीय पुत्र शुक्रवार की शाम गांव में मेला देखने गया था, जिसके बाद से लौट कर नहीं आया। शनिवार को पिता के मोबाइल पर बच्चे का अपहरण और सात लाख की फिरौती मांगी गई। पहले घरवालों ने पुलिस को नहीं बताया, लेकिन सोमवार को फिर फोन आया तो बच्चे के स्वजन ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ा तो पता चला कि दुष्कर्म की नीयत से बच्चे का अपहरण कर फिर उसकी हत्या कर गुमराह करने के लिए फिरौती मांगी गई। इस मामले में रिश्तेदारी में रहने वाले मेहनूर उर्फ शहनूर उर्फ मेहनुद्दीन पुत्र मोईन निवासी ग्राम रोरा निस्तौली थाना ठठिया जनपद कन्नौज का नाम सामने आया। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। बुधवार की सुबह पुलिस की उससे मुठभेड़ हो गई तो गोली चलाता हुआ वह भागा, लेकिन पुलिस ने उसे घेर लिया।

**सारे वादे पहले साल में न भी पूरे हों, तो भी एक लाख करोड़ का आएगा खर्च**

# जर्जर खजाना-बाजार से उधारी, कैसे बटेगा आठ ग्राम सोना और साड़ी

**चेन्नई, एजेंसी**

चुनाव खत्म हो गए। अब बारी चुनावी वादों को पूरा करने की है। नई सरकारों के सामने राज्यों पर लदे कर्ज, कम आमदनी व बढ़ते खर्च जैसे संकट सामने खड़े हैं। चुनावी वादों के एक्सप्रेसवे पर यह स्पीड ब्रेकर की तरह दिखने लगे हैं। बंगाल, असम में भाजपा की नई सरकार के सामने जो संकट है, उससे कहीं बड़ा संकट तमिलनाडु में टीवीके सरकार के सामने आने वाला है, जिसने सोना बांटने की भी बात कही है।

बंगाल में अब जहां डबल इंजन की सरकार है, वहां यह संकट अपेक्षाकृत कम होगा। 15 साल में बंगाल पर कर्ज चार गुना बढ़कर 8 लाख करोड़ से ज्यादा का हो गया है। अब भाजपा सरकार को सोनार बांग्ला बनाने के लिए बड़ी रकम का इंतजाम करना होगा। युवा स्नातकों को तीन हजार रुपये देने का वादा भी निभाना है।

### बंगाल, केरलम व पंजाब जैसे राज्य बड़े राजकोषीय घाटे के दायरे में

नीति आयोग की राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल, केरल और पंजाब जैसे राज्य बड़े राजकोषीय घाटे और ऋण का सामना कर रहे हैं। राजस्व, व्यय और कर्ज के मामले में इन राज्यों की हालत नाजुक है। पंजाब, पश्चिम बंगाल, और केरल में लगातार राजस्व घाटे है।

### बाढ़ मुक्त असम के लिए 18,000 करोड़ की जरूरत

यहां सत्तारूढ़ भाजपा ने 31 वादे किए थे। इसमें बाढ़ मुक्त असम मिशन शुरू करने के लिए 18,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करना होगा। 2 लाख सरकारी नौकरियां देने का काम भी करना है। एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज, एक विश्वविद्यालय, एक इंजीनियरिंग कॉलेज की योजना के लिए बड़ी रकम की जरूरत है। महिलाओं को, ओरुनोदोई योजना के तहत मासिक प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण 3,000 रुपये किया जाना है। चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 500 प्रतिदिन करने और उन्हें आवास उपलब्ध कराने का भी वादा किया गया है।

**राज्यों की बाजार उधारी 12.4 लाख करोड़:** इन योजनाओं से राज्यों के खजाने पर बोझ भी बढ़ा है। 2025-26 में राज्यों की बाजार उधारी 15.2 फीसदी बढ़कर 12.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। नकद सहायता देने वाले 16 में से 12 राज्यों की उधारी दो अंकों में बढ़ी है।?क्रिसिल ने चेताया है कि बढ़ती उधारी बॉन्ड बाजार के लिए जोखिम बन सकती है और निवेशकों के भरोसे पर असर डाल सकती है। क्रिसिल ने कहा, नकद हस्तांतरण स्थायी समाधान नहीं है।

**अब खर्च होगा 36,029 करोड़**

*फिल्म स्टार से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने गरीबों को मिलने वाली सहायता राशि 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये करने का वादा किया था। इसे पूरा करने के लिए हर साल 14,411 करोड़ के बजाए अब 36,029 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इसके लिए 21,617 करोड़ अलग से जुटाने होंगे। टीवीके का घोषणापत्र में शादी सहायता के रूप में 8 ग्राम सोना, कमजोर वर्ग की महिलाओं को शादी पर रेशमी साड़ी, प्रत्येक परिवार को सालाना 6 मुफ्त सिलेंडर देना शामिल है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के परिवारों को सालाना 15,000 रुपये देने, बेरोजगार स्नातकों को 4,000 तक मासिक सहायता देने, 5 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा भी है। पांच एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के फसल ऋण की पूर्ण माफी और बड़े किसानों के लिए 50% तक ऋण माफी भी होगी। वरिष्ठ नागरिकों 3,000 मासिक पेंशन, 200 यूनिट मुफ्त बिजली भी दी जाएगी। सारे वादे पहले साल में न भी पूरे हों, तो भी पहले साल एक लाख करोड़ का खर्च तो आ ही जाएगा।*

### भाजपा का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता: राहुल

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के हर छठे सांसद ने वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो बीजेपी 140 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी से कभी एक सीट चुराई जाती है और कभी पूरी सरकार। लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी करके पहुंचा है। उन्होंने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि ऐसे सांसदों की पहचान करना मुश्किल नहीं है। राहुल गांधी ने भाजपा की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे लोगों को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए। उन्होंने हरियाणा सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है।

## सांवरिया सेठ के दर्शन कर लौट रही कार डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, 13 घायल

**रतलाम।** जावरा रोड स्थित कार शोरूम के सामने देर रात करीब चार बजे एक जीप अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसे में एक ही परिवार के 13 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। सभी शहर के माली कुआं क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में परेशान होना पड़ा। वहीं घायल भी एंबुलेंस के इंतजार में दर्द से कराहते रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवार राजस्थान स्थित सांवलियाजी में कुलदेवता की पूजा कर रतलाम लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। हादसे में 60 वर्षीय जगदीश पुत्र परमानंद उर्फ लाला पटेल निवासी मालीकुआं की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्हें वडोदरा रेफर किया जा रहा

था। घायलों में 55 वर्षीय जमना माली पत्नी राजू माली (55), 67 वर्षीय भूलीबाई पत्नी राधेश्याम, 45 वर्षीय रेखा भटनागर पत्नी मनोज, 28 वर्षीय आशु पुत्र जगदीश, 30 वर्षीय आनंद पुत्र जगदीश, 28 वर्षीय पूजा पत्नी आनंद, 52 वर्षीय नीता पत्नी जगदीश, 28 वर्षीय नंदनी पत्नी आशु, 15 वर्षय दक्ष पुत्र कन्हैयालाल, 15 वर्षीय मित पुत्री सत्यनारायण, पांच वर्षीय समीक्षा पुत्री आनंद, 45 वर्षीय अशोक पुत्र धन्नालाल और पांच वर्षीय मितांश पुत्र आशुतोष शामिल हैं।

## थरूर की कांग्रेस को नसीहत: 'पीएम मोदी-अमित शाह ने अच्छा काम किया, सीखने की जरूरत'

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अपनी बेबाकी से कई बार कांग्रेस को असहज करने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की तारीफ की है। उन्होंने विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद अपनी ही पार्टी को आत्मचिंतन करने की भी नसीहत दी।

**पहले भी कर चुके हैं पीएम मोदी की तारीफ:** ऑपरेशन सिंदूर समेत कई मुद्दों पर थरूर प्रधानमंत्री की तारीफ पहले भी कर चुके हैं। थरूर ने माना कि केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को जीत मिली है, लेकिन उन्होंने अन्य तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन की ओर भी इशारा करते

हुए अपनी पार्टी को सबक सीखने को कहा। थरूर ने बंगाल और असम में प्रभावी चुनाव रणनीति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की और उनके संगठनात्मक कौशल को स्वीकार किया। थरूर ने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह) ने बंगाल और असम में अच्छा काम किया है। उनके पास मजबूत संगठनात्मक क्षमता है। हम सभी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

### बंगाल में पहली बार सरकार बनाएगी भाजपा

**गौरतलब** है कि भाजपा बंगाल में पहली बार सरकार बनाने वाली है, वहीं असम में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। तमिलनाडु में 108 सीटें जीतकर टीवीके सरकार बनाने की दहलीज पर है। पुडुचेरी में फिर राजग की सरकार बनने वाली है।

**भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि**

# मिशन दृष्टि सैटेलाइट लॉन्च की मुरीद हुई दुनिया, मस्क ने भी दी बधाई

**दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी**

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। बंगलूरू स्थित स्पेस स्टार्टअप GalaxEye के मिशन दृष्टि सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण पर एलन मस्क ने कंपनी को बधाई दी है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई हो लिखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने मिशन दृष्टि की सफलता को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया था।

**पीएम मोदी ने बताया मील का पत्थर :** प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि मिशन दृष्टि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले OptoSAR सैटेलाइट और भारत के सबसे बड़े निजी तौर पर निर्मित उपग्रह का सफल प्रक्षेपण देश के युवाओं की नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोदी ने लिखा कि गैलेक्सीआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के पहले ऑप्टोस्टार सैटेलाइट और भारत में निजी क्षेत्र द्वारा बनाए गए सबसे बड़े उपग्रह का सफल लॉन्च युवाओं के नवाचार और

राष्ट्र निर्माण के जुनून का प्रमाण है। मिशन दृष्टि सैटेलाइट को स्पेसएक्स के Falcon 9 रॉकेट के जरिए कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। इस लॉन्च को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।

**क्या है मिशन दृष्टि सैटेलाइट की खासियत?:** मिशन दृष्टि सैटेलाइट को अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीक से लैस किया गया है। इसमें लगे हाई-टेक कैमरे और एडवांस सेंसर धरती की बेहद साफ और हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हर मौसम में काम कर सकता है। घने बादल, बारिश, खराब मौसम या रात का अंधेरा भी इसकी निगरानी क्षमता को प्रभावित नहीं कर पाएगा।

### रक्षा क्षेत्र के लिए क्यों है अहम?

**यह सैटेलाइट** भारत की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग क्षमता के जरिए सीमाओं पर होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। खासतौर पर चीन और पाकिस्तान से सटे इलाकों में किसी भी संदिग्ध हलचल का तेजी से पता लगाया जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सैटेलाइट से मिलने वाला सटीक डेटा सेना को रणनीतिक फैसले लेने में मदद करेगा। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देना आसान होगा और निगरानी प्रणाली पहले से अधिक प्रभावी बनेगी।

### आईपीएल का गणित-लगातार दो जीत से चेन्नई की उम्मीदें कायम

# दिल्ली के पास भी चांस, सनराइजर्स के पास भी है नंबर-1 बनने का मौका

**नई दिल्ली, एजेंसी**

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में मंगलवार को मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। टीम ने सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से सुपर किंग्स ने प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं। दिल्ली के पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका है। बशर्ते टीम को बाकी के सभी मैच जीतने होंगे। मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जीत के बाद चेन्नई की टीम छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली 7वें स्थान पर है। दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। ऋतुराज गायकवाड की टीम 10 मैच में 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है। उसने अब तक 5 मैच ही गंवाए हैं। अक्षर पटेल की टीम 8 अंक के साथ 7वें स्थान पर है। टीम ने 4 मैच जीते हैं, साथ ही 6 मैच ही गंवाए हैं।

हैदराबाद के पास टेबल टॉपर बनने का मौका पैट कमिंस की टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। उसके पास 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं। आज सनराइजर्स के पास पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंचने का मौका है। टीम को पिछले मैच में कोलकाता के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी थी। अब उसे 2 होम और 2 अवे मैच खेलने हैं। यहां से टीम हर जीत के साथ प्लेऑफ के करीब पहुंचती जाएगी।

पंजाब टेबल के टॉप पर, प्लेऑफ के लिए 2 जीत जरूरी श्रेयस अय्यर की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 9 मैचों में 6 जीत के बाद 13 अंक हैं। एक मैच नो-रिजल्ट रहा था। ऐसे में एक और जीत पंजाब को प्लेऑफ की देहलीज में पहुंचा देगी। आम तौर पर 16 अंक के बाद टीमों टॉप-4 में फिनिश करती हैं। पंजाब को भी 3 मैच घरेलू मैदान पर खेलने हैं।

### राहुल टॉप स्कोरर बने, ऑरेंज कैप मिली

मैच के बाद दिल्ली के केएल राहुल सीजन के टॉप स्कोरर बन गए हैं। वे 10 मैचों में 445 रन बना चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (440 रन) को पीछे छोड़ा। हैदराबाद के ही हेनरिक क्लासन 425 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आज केएल राहुल टॉप पर आ सकते हैं।

### पर्पल कैप लीडरबोर्ड में बदलाव नहीं

मैच के बाद टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में बदलाव नहीं हुआ है। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज एक समान 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 16 विकेट लेकर नंबर-3 पर हैं।

### आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे पंजाब-हैदराबाद

आईपीएल 2026 के 49वें मुकाबले में 6 मई को पंजाब किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। लगातार 6 मैच जीतकर अजेय नजर आ रही पंजाब टीम पिछले दो मुकाबलों में हारकर दबाव में है। वहीं, पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद टीम अपने घर में पंजाब की कमजोरियों का फायदा उठाकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचना चाहेगी।

दोनों टीमों ने आईपीएल में 25 बार एक-दूसरे का सामना किया है। सनराइजर्स हैदराबाद का पलड़ा भारी रहा है। स्न्रा ने 17 मैच जीते हैं, जबकि पंजाब ने 8 जीते हैं। इस सीजन यह दोनों के बीच दूसरा मुकाबला है। पहले मैच में पंजाब ने अपने होम ग्राउंड पर हैदराबाद को 6 विकेट से हराया था। पिछले सीजन में दोनों के बीच एक मुकाबला हुआ था, जिसे हैदराबाद ने जीता था।

सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले मुकाबले में कोलकाता के खिलाफ हार झेलनी पड़ी, जिससे उनकी 5 मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया। हालांकि, ट्रेविस हेड की शानदार फॉर्म टीम के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने लगातार दो मैचों में अर्धशतक जड़े हैं। अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासन भी लगातार रन बना रहे हैं। अभिषेक शर्मा इस सीजन में हैदराबाद के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 206.57 की स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में टीम संतुलित नजर आ रही है। ईशान मलिंगा डेथ ओवर्स में सटीक यॉर्कर डालकर बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं।

# चीन के वू यिजे बने वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता

**शेफील्ड, एजेंसी**

वू यिजे ने शॉन मर्फी को अब तक के सबसे बड़े फाइनल मुकाबलों में से एक में 18-17 से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। 22 साल और 202 दिन की उम्र में, वह स्टीफन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन हैं। हेंड्री ने 1990 में 21 साल की उम्र में खिताब जीता था। वह क्रूसिबल में यह मशहूर सिल्वरवेयर जीतने वाले 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, और पहली बार लगातार चार मेडन विनर रहे हैं। वू 2023 में लुका ब्रेसेल (उम्र 28), 2024 में कायरेन विल्सन (उम्र 32) और 2025 में झाओ (उम्र 28) के बाद पहले नंबर पर हैं। यह वू का दूसरा खिताब है। वह वर्ल्ड रैंकिंग में दसवें से चौथे नंबर पर आ गए हैं। इस साल से पहले उन्होंने क्रूसिबल में कभी कोई मैच नहीं जीता था।2023 और 2025 में अपने पिछले मैचों में वे पहले राउंड में ही हार गए थे. लेई पेइफान, मार्क सेल्बी और होसैन वफाई पर जीत ने उन्हें सेमी-फाइनल में पहुंचाया, जहां उन्होंने मर्फी के खिलाफ एक और क्लासिक जीत से पहले मार्क एलन के साथ 17-16 से रोमांचक मुकाबला जीता।

### दोनों खिलाड़ियों ने अपनाई अक्रामक रणनीति

फाइनल एक शानदार मुकाबला था, जिसमें तीन संेचुरी, 50 से ज्यादा 29 और ब्रेक और औसत फ्रेम टाइम सिर्फ 17 मिनट था, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाई थी। वू की हिम्मत वाली पॉटिंग सबसे ज्यादा निर्णायक फ्रेम में साफ दिखी—2002 के बाद क्रूसिबल फाइनल में पहली बार—जब उन्हें सेंटर में एक मुश्किल रेड मिली, तो उन्होंने उसे पॉकेट के बीच में गिरा दिया, और 85 का शानदार ब्रेक लगाकर ट्रॉफी और 500,000 पाउंड का की पुरस्कार राशि जीती। जीत के बाद वर्ल्ड स्नूकर के हवाले से वू के कहा, ਯमैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसा खेल सका। मैंने अपने परिवार के लिए, अपने लिए और चीन के लिए खेला। मेरे माता-पिता असली चैंपियन हैं। जब से मैंने स्कूल छोड़ने का फैसला किया है,

# पिता बनने के बाद बदला राहुल का नजरिया नई सोच -आक्रामक अंदाज से मचा रहे धमाल

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल के लिए विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे केएल राहुल इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। 9 मैचों में 433 रन, एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ राहुल ने अपने आक्रामक खेल से सभी को प्रभावित किया है। जियोस्टार के 'सुपरस्टार्स' शो में बातचीत के दौरान राहुल ने बताया कि टी20 क्रिकेट अब पूरी तरह बदल चुका है। उनके मुताबिक, अब मैच का फैसला पावरप्ले में ही काफी हद तक तय हो जाता है, इसलिए टीमों का फोकस शुरुआती ओवरों में तेज रन बनाने पर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खुलकर खेलने की पूरी आजादी दी है, जिससे उनका प्रदर्शन और बेहतर हुआ है।

### पावर प्ले में तय कर लेते हैं लक्ष्य

अपने ओपनिंग पार्टनर पथुम निस्संका के साथ तालमेल पर राहुल ने कहा कि दोनों का फोकस आक्रामक लेकिन समझदारी भरी बल्लेबाजी पर रहता है। पावरप्ले में 60 रन का लक्ष्य लेकर वे मैदान में उतरते हैं और साझेदारी को मजबूत बनाने की कोशिश करते हैं। राहुल ने यह भी स्वीकार किया कि पिछले वर्षों में उन्हें मुख्य रूप से टेस्ट खिलाड़ी माना जाता था, लेकिन अब उन्होंने अपनी व्हाइट-बॉल क्रिकेट को पूरी तरह विकसित किया है। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी गलतियों से सीखकर खुद को टी20 के लिए बेहतर खिलाड़ी बनाया है।

### दीपक चाहर की बहन ने हार्दिक पंड्या पर कसा तंज?

# मालती ने की सूर्यकुमार की कप्तानी की तारीफ

**मुंबई, एजेंसी**

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। जैसे-जैसे आईपीएल अपने अंजाम की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्लेऑफ की जंग और दिलचस्प होती जा रही है। सोमवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर खुद को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे थे।

मैच के बाद एमआई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसे फैंस हार्दिक पांड्या पर तंज मान रहे हैं।

इस मैच से पहले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने नौ में से सात मैच गंवाए थे। मालती ने लिखा कि लखनऊ के खिलाफ मैच में पुरानी मुंबई इंडियंस की झलक दिखी। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तारीफ भी की।

मालती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, %फिर असली मुंबई इंडियंस जैसी फीलिंग आई! लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बहुत बढ़िया खेले रेयान रिकेल्टन और रोहित भैया! सूर्यकुमार की कप्तानी भी शानदार रही। और दीपक ने पूरे चार ओवर डाले, बहुत अच्छी गेंदबाजी भाई! यह सही मायनों में टीम गेम था। यही है मुंबई इंडियंस!%

### पीठ में दर्द के कारण नहीं खेल सके थे मैच

फैंस इस पोस्ट को हार्दिक पर तंज मान रहे हैं। हार्दिक की कप्तानी की जमकर आलोचना भी हो रही है। यह जीत पांच बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी राहत बनकर आई, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रहीं। मुंबई की टीम फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जबकि लखनऊ आखिरी स्थान पर है। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पीठ में ऐंठन के कारण यह मैच नहीं खेल सके थे। दीपक चाहर को इस मैच से पहले पूरे चार ओवर भी डालने को नहीं मिल रहे थे। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ उन्होंने चार ओवर में 43 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दीपक ने अपने आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन खर्च किए, जो लखनऊ सुपर जाएंट्स को 228 रन पर रोकने में बेहद अहम साबित हुआ।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

### बिजनेस छोड़ एक्टिंग में आईं ऋषि कपूर की लाडली!

# 45 की उम्र में करेंगी डेब्यू, हुई इमोशनल

ऋषि कपूर और नीतू कपूर की लाडली बेटी 45 साल की उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। कपूर परिवार की बड़ी बेटी अब फिल्म दादी की शादी से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाली हैं। खास बात ये है कि 45 साल की उम्र में कैमरे के सामने पहली बार खड़ी होने को लेकर रिद्धिमा काफी इमोशनल हैं। रिद्धिमा ने एक लंबा समय अपने परिवार के लिए बिताया है। वो बिजनेसमैन भरत साहनी की पत्नी हैं और बेटी समायरा की मां हैं। इतना ही नहीं वो एक ज्वेलरी डिजाइनर भी हैं। लेकिन अब रिद्धिमा अपना फिल्म डेब्यू कर रही हैं। इस पर बात करते हुए कहा- ये एहसास मेरे लिए बहुत अलग और भावुक करने वाला है।

ऐसा लग रहा है जैसे जिंदगी एक पूरा चक्र पूरा कर चुकी है। मुझे पता है कि पापा जहां भी हैं, मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। यही सोच मुझे ताकत देती है। उन्होंने बताया कि इस नई शुरुआत में सबसे बड़ा चैलेंज खुद को एक नई दुनिया में ढालना था। रिद्धिमा बोलीं- इस उम्र में बिल्कुल नई शुरुआत करना आसान नहीं होता। इसमें एक डर भी होता है, लेकिन साथ ही बहुत एक्साइटमेंट भी है। रिद्धिमा ने ये भी खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार अपनी बेटी को दिल्ली में अकेला छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा- 2019 में पापा के इलाज के बाद ये पहली बार था जब मैं अपनी बेटी से इतने समय दूर रही।

### रणबीर की बहन रिद्धिमा बनीं एक्ट्रेस

अपनी मां नीतू कपूर के साथ काम करने के अनुभव को उन्होंने बेहद खास बताया। रिद्धिमा ने कहा- मां के साथ काम करना बहुत स्पेशल था। मैंने देखा कि वो कितनी सहज और नेचुरल एक्ट्रेस हैं। रिद्धिमा ने बताया कि कैमरे के सामने आने से पहले उन्हें भाई रणबीर कपूर ने भी खास सलाह दी थी। उन्होंने कहा- रणबीर ने मुझसे कहा था कि नैचुरल रहो और ज्यादा मत सोचो। बस उस पल को महसूस करो। उसकी ये बात मेरे बहुत काम आई। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए रिद्धिमा ने आलिया भट्ट और रणबीर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा- ये हमारे परिवार के लिए बहुत एक्साइटिंग समय है। मुझे रणबीर और आलिया दोनों पर बहुत गर्व है। दोनों शानदार काम कर रहे हैं। कपूर परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने पर रिद्धिमा ने कहा- हमारे परिवार की महिलाओं ने हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं भी उस विरासत का छोटा सा हिस्सा बन रही हूं।

# नागिन 7 की भद पिटने के बाद एकता कपूर ने दिखाया मुंह से आग फेंकता हुआ ड्रैगन

### खुद ही लिए मीम पर मजे

एकता कपूर ने आखिरकार नागिन 7 को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। ये आलोचनाएं तब शुरू हुईं जब कई दर्शकों ने बताया कि मेकर्स ने एपिसोड में बिना एडिट किया हुआ वीएफएक्स सीन शामिल कर दिया है। प्रियंका चाहर चौधरी के इस हिट शो ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं, जहां कई यूजर्स ने एडिटिंग की इस चूक पर मजेदार रिएक्शन दिए। अब एकता ने भी इस पर रिएक्ट किया है। एक दर्शक ने शो के एक सीन की एडिटिंग को लेकर एक मीम शेयर किया है, जिसमें ड्रैगन को आग उगलते दिखाया गया है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में लिखा है, कल एडिटर्स की नागिन वाली ब्लू स्क्रीन की गलती के बाद एकता मैम थाइलैंड से ऑफिस आ रही हैं। एकता ने इस मीम को अपनी स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, बिल्कुल सही।

यह सब तब शुरू हुआ जब कई सोशल मीडिया यूजर्स ने नागिन 7 के एक एपिसोड का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें बैकग्राउंड में नीली स्क्रीन दिख रही थी और प्रियंका एकदम बाईं ओर खड़ी थीं। यह एक एक्शन सीन होना चाहिए था जिसमें अहाना अपने दुश्मनों को मार गिराती है। एक रेडिट यूजर ने लिखा, मुझे

लगा कि मेरे स्ट्रीम में कोई गड़बड़ हो गई है, लेकिन यह सचमुच पूरी नीली स्क्रीन का सेटअप है जिसमें तार साफ दिख रहे हैं और कलाकार बस लेटे हुए हैं। यह किसी तैयार एपिसोड की बजाय रॉ वीएफएक्स फुटेज जैसा लग रहा है। क्या किसी और ने भी यह देखा है या मेरे ऐप में कोई बग है? एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, बिना एडिट किए हुए वीएफएक्स... वीएफएक्स क्या वे ऐसा भी करते हैं? यह मेरे लिए और भी चौंकाने वाला है। शायद वे यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि वे एडिटिंग में थोड़ी मेहनत करते हैं और पूरी तरह से एआई पर निर्भर नहीं हैं।

**मेट्रो बाजार**

# ट्विटर हिस्सेदारी विवाद :1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरेंगे एलन मस्क

**नई दिल्ली ।** ट्विटर में हिस्सेदारी को लेकर 2022 के मामले में दिग्गज टेक्नोलॉजी कारोबारी एलन मस्क एसईसी को 1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरने के लिए तैयार हो गए है। यूएस एसईसी ने मस्क पर आरोप लगाया था कि 2022 में उन्होंने ट्विटर के शेयरधारकों को बिना बताए कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जुर्माना मस्क द्वारा गठित एक ट्रस्ट एसईसी को मुकदमे को समाप्त करने के लिए अदा करेगा, लेकिन इसे अभी भी अदालत की मंजूरी मिलना बाकी है। हालांकि, मस्क ने नियामक के आरोपों को स्वीकार नहीं किया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एसईसी की ओर से मस्क से इससे पहले मांगे गए जुर्माने से काफी कम है। दिसंबर 2024 में एसईसी ने मस्क से 200 मिलियन डॉलर से अधिक का जुर्माना मांगा था। जनवरी 2025 में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने से कुछ दिन पहले, एसईसी ने मस्क पर मुकदमा दायर किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के 5 प्रतिशत से अधिक शेयर जमा करने की जानकारी देने की समय सीमा का उल्लंघन किया। नियामक के अनुसार, इस देरी के कारण ट्विटर के शेयरधारकों को 150 मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। हालांकि, बाद में मस्क ने 2022 में कंपनी को खरीद लिया और इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया। एसईसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यदि यह समझौता अंतिम रूप ले लेता है, तो यह एजेंसी द्वारा किसी संस्था या व्यक्ति पर कथित तौर पर समय पर लाभकारी स्वामित्व रिपोर्ट दाखिल न करने के लिए लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना होगा।

# प. एशिया में तनाव के बावजूद भारत में प्रोडक्शन गतिविधियों में तेजी जारी

**नई दिल्ली।** भारत में विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल में 54.7 रहा, जो मार्च में 53.9 था। यह वृद्धि नए ऑर्डर (निर्यात सहित) और रोजगार के अवसर बढ़ने के कारण हुई। अप्रैल के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और नए व्यवसायों में तेजी जारी है। वहीं, निर्यात एक सकारात्मक बिंदु बना हुआ है और वृद्धि दर पिछले सितंबर के बाद सबसे तेज रही है।

रिपोर्ट में कंपनियों ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण महंगाई के दबाव में वृद्धि हुई है। कच्चे माल की लागत और उत्पाद कीमतों दोनों में क्रमशः 44 महीनों और छह महीनों में सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव अब और स्पष्ट होते जा रहे हैं, विशेष रूप से महंगाई के रूप में, जिससे उत्पादन लागत अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से बढ़ी है और उत्पाद कीमतें छह महीनों में सबसे तेज दर से बढ़ी हैं। मार्च में 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 होने के बावजूद मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने लगभग चार वर्षों में समग्र परिचालन स्थितियों में दूसरी सबसे धीमी सुधार का संकेत दिया। पीएमआई नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ता आपूर्ति समय और खरीद स्टॉक के आधार पर समग्र परिस्थितियों को मापता है। सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि विज्ञापन और मांग में स्थिरता ने बिक्री और उत्पादन को समर्थन दिया। लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल, पश्चिम एशिया में युद्ध और ग्राहकों द्वारा लंबित कोटेशन को मंजूरी देने में अनिच्छा के कारण विकास बाधित हुआ।

# दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रॉले से टक्कर के बाद कार में लगी आग, जिंदा जला चालक

रतलाम

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात ये हैं कि, यहां हर रोज सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोग घायल हो रहे हैं, जबकि इन्हीं में दर्जनों अपनी जान भी गवा रहे हैं। हालिया सड़क हादसे की खबर सूबे के रतलाम जिले से गुजरने वाले दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस - वे से सामने आई है। यहां शिवगढ़ थाना इलाके के ग्राम बावड़ी के समीप मंगलवार एक कार और ट्राले के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि, टक्कर के बाद न सिर्फ बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, बल्कि उसमें आग भी लग गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार पिता - पुत्री आग से झुलसने से गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल पिता - पुत्री को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जबकि, चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, 48 वर्षीय किराना व्यापारी नरेंद्र राठौड़ पिता शांतिलाल राठौड़ निवासी मेघनगर जिला झाबुआ मंगलवार दोपहर अपनी 22 वर्षीय बेटी तीसा राठौड़ को सीए इंटर मीडिएट की परीक्षा दिलाने के लिए कार में मेघनगर से रतलाम आ रहे थे। कार ड्राईवर 19 वर्षीय रोहित मुनिया पिता जानिया मुनिया निवासी ग्राम खुटावा थाना कल्याणपुरा जिला झाबुआ चला रहा था। वे रतलाम जिले के शिवगढ़ थाना इलाके के ग्राम बावड़ी के पास पहुंचे थे, तभी कार आगे चल रहे ट्राले से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। कार ड्राईवर रोहित मुनिया और नरेंद्र राठौड़ व उनकी पुत्री। तीसा घायल हो गए। घायल होने के कारण कार से तीनों बाहर नहीं निकल पाए।वहीं, कार में आग लग गई। वहीं, आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जैसे - तैसे जलती कार से ड्राईवर समेत पिता-पुत्री को बाहर निकाला और एंबुलेंस बुलाकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जहां गंभीर झुलसने और चौटिल होने से चालक रोहित की मौत हो गई, जबकि पिता - पुत्री घायल हैं।

## घटना के बाद तुरंत पहुंचे ग्रामीण

इधर, तीनों को कार से बाहर निकाले जाने के बाद कार में आग में लगी आग ने विकराल रूप धारण कार लिया और उससे ऊंची - ऊंची लपटे निकलने लगी। अगर समय रहते ग्रामीण मौके पर पहुंचकर कार सवार लोगों को बाहर न निकालते तो हादसे में पिता - पुत्री की भी गंभीर रूप से झुलसने से जान जा सकती थी। हादसे की जानकारी लगते ही शिवगढ़ थाना प्रभारी रणजीत सिंह मकवाना पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी रणजीत सिंह मकवाना ने बताया कि, आगे चल रहे ट्राले से कार पीछे से जाकर टकरा गई थी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के बीच हुए घर्षण से कार में आग लग गई। मामले की जांच की जा रही है।

## पिता - पुत्री का इलाज जारी

दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेज के प्रभारी सीएमओ आकिश खान ने बताया कि, एंबुलेंस से तीन घायलों को लाया गया है, जिनमें से कार चालक की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी, जबकि पिता - पुत्री की हालत गंभीर है। उन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। ड्राईवर को चोटे आने के साथ वो बुरी तरह से झुलस भी गया था। नरेंद्र राठौड़ को चोट आने के साथ वे भी झुलसे हैं, जबकि तीसा को चोटे आई हैं।

## न्यूज ट्रेक

### कहीं बुजुर्ग से चांदी छीनी तो कहीं रुपयों से भरा का बैग चुरा ले गए

**धार।** जिले में बीते एक सप्ताह के भीतर लूट की तीन सनसनीखेज वारदातों ने पुलिस गश्त और सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है, बेखौफ बदमाश कहीं बुजुर्गों को फालिया दिखाकर डरा रहे हैं, तो कहीं चलते वाहन से नकदी छीनकर फरार हो रहे हैं। अपराधी अब न केवल सुनसान रास्तों, बल्कि मुख्य सड़कों पर भी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लूट की पहली वारदात बाग क्षेत्र के आगर घाटी मोड़ में 2 मई को हुई, ढीलवानी निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग भंगु पिता जामसिंह अपनी गिरवी रखी चांदी छुड़ाकर लौट रहे थे। ग्राम रिंगनोद से घर लौटते समय दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें फिल्मी अंदाज में घेरा। बदमाशों ने बुजुर्ग के सामने फालिया अड़ा दिया और जान से मारने की धमकी देकर करीब 50 हजार की चांदी लुटकर फरार हो गए। पुलिस पहली वारदात की गुत्थी सुलझा भी नहीं पाई थी कि 5 मई को कुक्षी-राजगढ़ रोड पर बदमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चामझर निवासी पप्पू अपनी पत्नी सेलबाई के साथ चांदी गिरवी रखकर 2 लाख 70 हजार रुपये नकद लेकर घर लौट रहे थे। वन चौकी के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने चलती गाड़ी से रुपयों से भरी थैली झपटी और रिंगनोद की तरफ भाग निकले। दिनदहाड़े हुई इस बड़ी लूट से इलाके में दहशत है। तीसरी वारदात गंधवानी थाना क्षेत्र के ग्राम बेकल्या के पास हुई। यहाँ मनावर स्थित एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी विकास चौधरी और उनके साथी सोहन से बदमाशों ने लूटपाट की। मुंह पर कपड़ा बांधकर आए तीन अज्ञात बदमाशों ने चलती बाइक की टंकी पर रखा बैग झपट लिया। इस झपट्टा-मारी में बाइक का संतुलन बिगड़ने से कर्मचारी गिरकर घायल भी हुए। बदमाशों ने बैग में रखे 50 हजार और जरूरी दस्तावेज और मोबाइल चार्जर पर हाथ साफ कर दिया। इन तीनों वारदातों का पैटने एक जैसा ही है, 2 मई को लूटी गई चांदी और 5 मई को चलती बाइक पर पैसों से भरा बैग छिनकर बदमाश फरार हुए है, सभी वारदातों में बदमाश तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए और पलक झपकते ही गायब हो गए थे, और हैरानी है कि बात है वारदातें सुनसान अंधेरे में नहीं, बल्कि दिनदहाड़े या व्यस्त रास्तों पर की गई है।

### महासचिव जितेंद्र सिंह का इस्तीफा कांग्रेस की मूल विचारधारा का जीवंत प्रमाण

**सिरोंज।** कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने बताया कि असम के प्रभारी एवं अभा कांग्रेस के महासचिव जितेंद्र सिंह का अपने पद से इस्तीफा एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक कदम है, जो कांग्रेस की मूल विचारधारा–जवाबदेही, त्याग और नैतिकता का सशक्त संदेश देश की जनता ओर राजनीतिक गलियारों में देता है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विनोद सेन ने अपने वक्तव्य में कहा कि चुनाव परिणाम उम्मीदों के अनुरूप खरे न उतरने पर जितेंद्र सिंह जी ने चुनाव में निर्मित हुई परिस्थितियों या अन्य किसी व्यक्ति को दोष देने के बजाय पूरी जिम्मेदारी स्वयं लेते हुए जो साहस और ईमानदारी दिखाई है, वह आज की राजनीति में दुर्लभ है। उनका यह पारदर्शी निर्णय यह दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी में आज भी ऐसे नेता हैं जो पद से अधिक संगठन की गरिमा और मूल्यों और विचारधारा को प्राथमिकता देते हैं। सेन ने कहा कि जितेंद्र सिंह जी का राजनीतिक जीवन संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं के साथ गहरे जुड़ाव का जीवंत संदेश देता रहा है। एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उनका सफर सकारात्मकता के साथ संघर्ष, धैर्य और निरंतर मेहनत का प्रतीक है। असम जैसे जटिल राज्य में उन्होंने संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। लोकतंत्र में हार और जीत दोनों ही स्वाभाविक हैं, लेकिन सच्चा नेतृत्व वही होता है जो कठिन समय में आगे आकर जिम्मेदारी स्वीकार करता है। जितेंद्र सिंह जी का यह निर्णय पूरे संगठन के लिए प्रेरणादायी है जो हर कार्यकर्ता को यह संदेश देता है कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। आज जब राजनीति में जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ऐसे समय में यह कदम एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में सामने आया है।

### बिजली के खम्भे में उतरे करंट से बैल की मौत, ठेकेदार ने 14 घंटे बाद उठाया शव

**सिरोंज।** मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली कटौती करने वाले बिजली कंपनी की लापरवाही के चलते सोमवार रात में बैल की मौत हो गई। सोमवार शाम से शुरू हुआ रूक-रूक कर बारिष का सिलसिला रात 8.30 बजे तक लगातार चलता रहा। इसी दौरान नगर पालिका के ठीक पीछे स्थित कुम्हान गली में बिजली के खम्भे में करंट उतर गया। इस करंट की चपेट में यहां से निकल रहा एक बैल आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी लगने पर स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने बिजली कंपनी के अफसरों को घटना से अवगत कराया और व्यवस्था को सुधरवाया। शर्मा ने बताया कि बिजली कंपनी की लापरवाही से बैल की मौत हो गई है। करंट के नागरिक भी प्रभावित हो सकते थे। पल-पल में अघोषित बिजली कटौती करने वाली बिजली कंपनी को व्यवस्था को लेकन गंभीर होना चाहिए। इधर जानकारी लगने के बाद भी नगर पालिका में मृत पषुओं को उठाकर ले जाने वाला ठेकेदार रात में मृत बैल को उठाने के लिए नहीं पहुंचा। जिससे मोहल्ले के लोगों को बदबू और परेषानी का सामना करना पड़ा। ठेकेदार के कर्मचारी मंगलवार को दोपहर 12 बजे मृत बैल को उठाने के लिए मौके पर पहुंचे।

## असमंजस के बीच हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई

# समस्याओं को लेकर आए 122 आवेदन, कई का निराकरण, कई लोग निराश होकर लौटे

सिरोंज

असमंजस के बीच शहर के अजीविका मिशन कार्यालय में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ। समय पर सूचना नहीं मिलने के कारण इस जनसुनवाई में सुबह 11.30 बजे के बाद आवेदकों के आने का सिलसिला शुरू हुआ। 4 घंटे तक कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लोगों की समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए और संबंधित विभाग प्रमुख को भी मौके पर बुलाकर चर्चा की। हालांकि इसके बाद घंटों इंतजार के बाद भी अनेक लोगों को निराश होकर ही लौटना पड़ा। इसकी वजह थी मामले के समाधान के निर्देश उसी जिम्मेदार अधिकारी को सौंपना जिसके यहां पर मामला अटका हुआ था। इस दौरान कलेक्टर ने तहसीलदार संजय चौरसिया सहित अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके लापरवाही भरे रवैये पर फटकार भी लगाई। इन चार घंटों में खास बात ये रही कि कलेक्टर का स्टाफ मीडियाकर्मियों को मोबाइल से वीडियो बनाने से रोकता दिखाई दिया मीडियाकर्मियों ने आपत्ति जताई तो केवल चुनिंदा फुटेज बनाने की अनुमति दी गई। उनका स्टाफ मीडियाकर्मियों और लोगों के मोबाइल पर ही नजरे गड़ाए रहा।

प्रशासन द्वारा इसे जिला स्तरीय जनसुनवाई का नाम दिया था। मौके पर जिले भर के विभागों के मुखिया भी मौजूद थे। बावजूद इसके 122 आवेदकों में 90 फीसदी से ज्यादा लोग सिरोंज के ही थे। दरअसल सोमवार रात 8 बजे तक जिला प्रशासन ही जनसुनवाई को लेकर असमंजस में था। जब पूरी तरह तय हो गया तो सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सूचना प्रसारित की गई। जिसके चलते सिरोंज और आसपास के लोग ही जनसुनवाई में पहुंच सके। दूरस्थ इलाकों के लोग जानकारी के अभाव में इसका लाभ नहीं ले सके।

### ग्रामीणों के साथ पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष को भी डेढ़ घंटे इंतजार करना पड़ा

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर के स्टाफ और प्रशासन की सख्ती कुछ ज्यादा ही दिखाई दी। जनता के आवेदनों का क्रमवार निराकरण किया जा रहा था। दोपहर में करीब 1 बजे भाजपा पथरिया मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रघुवंशी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगतसिंह रघुवंशी भी घटवार गांव में आरईएस के ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य में की जा रही मनमानी और काली मिट्टी के उपयोग की शिकायत लेकर ग्रामीणों के साथ पहुंचे थे। मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें भी अपने नंबर का इंतजार करने को कहा। वे कलेक्टर के सामने लगी आवेदकों की कुर्सी पर डेढ़ घंटे तक बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। चार घंटे तक चली जनसुनवाई के दौरान शुरूआती एक घंटे तक ही अधिकारी और कर्मचारी सतर्क और मुस्तैद दिखाई दिए। इसके बाद अधिकांश अपने मोबाइल पर ही व्यस्त रहे।

### दिनभर इंतजार के बाद बिना समाधान के ही वापस लौटे

जनसुनवाई में अनेक आवेदकों को दिनभर इंतजार के बाद भी निराश होकर ही लौटना पड़ा। तरवरिया में रहने वाली चुक्कोबाई फौती नामांतरण का आदेश नहीं मिलने की समस्या लेकर आई थीं। कलेक्टर ने उनकी समस्या सुनी और पटवारी को मौके पर बुलाने के निर्देश दिए। इसके बाद वे शाम 4 बजे तक जनसुनवाई स्थल पर ही डटी रही लेकिन समाधान नहीं हो सका। वे निराशा के साथ इस उम्मीद से वापस लौटी कि कलेक्टर फाइल अपने साथ लेकर गए हैं। किसान मोहन रघुवंषी केसीसी पर रोक हटवाने के लिए आए थे। कलेक्टर ने मौजूद बैंक प्रबंधन को बुलाकर समस्या समाधान के निर्देश दिए। मोहन कलेक्टर की वापसी तक जनसुनवाई में मौजूद रहे लेकिन बिना समाधान के ही वापस लौट गए। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक जैन कागजों में चल रहे पामाखेड़ी के एक स्कूल को ढूंढने की गुजारिश लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर ने बीईओ को आवेदन सौंपकर जांच के निर्देश दे दिए लेकिन त्वरित समाधान नहीं होने से निराश होकर लौटे। जगथर गांव में रहने वाली युवती महीने भर पहले अपने मकान में आग लगने से हुए नुकसान का मुआवजा मिलने संबंधी जानकारी लेने पहुंची थी लेकिन उसे भी निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

## आंधी के साथ झमाझम कई इलाकों में गिरे ओले

रीवा

मध्य प्रदेश में मौसम का अलग ही मिजाज देखने को मिल रहा है। यहां भीषण गर्मी के दिनों में आंधी - बारिश के साथ ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीती रात सूबे के रीवा जिले में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरु हो गई। गरज-चमक के साथ आधे घंटे हुई मुसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ पूरे शहर के तरबतर कर दिया तो वहीं निचले इलाकों में पानी भर गया। वहीं, चोरहटा इलाके में ओलावृष्टि भी हुई है। शहर के तरहटी, निपनिया, संजय नगर, नेहरु नगर, विवेकानंद नगर सहित अन्य कुछ निचले इलाकों में पानी भर गया। कॉलोनी-मोहल्लों में नालियों का पानी उफन कर सड़कों पर बहने लगा। मॉडल सड़क में उर्रहट के पास, सिरमौर चौराहा समेत कुछ इलाकों में सड़कें कुछ देर के लिए जैसे तलैया में तब्दील हो गईं। सीवर लाइन के चलते खुदी सड़कों पर पानी भर गया। इस कारण वाहन चालकों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज आंधी की वजह से कहीं-कहीं टीन-टप्पर उड़ गए।

## जनगणना ड्यूटी में चले लात-घूंसे, महिला कर्मी से मारपीट

गुना

शहर के वार्ड क्रमांक 11 में जनगणना सर्वे के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एक परिवार के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज के अनुसार, सर्वे के दौरान विवाद इतना उग्र हुआ कि घर की एक महिला अपनी गोद में छोटा बच्चा लिए महिला कर्मचारी से सीधे भिड़ गई। हाथापाई और धक्का मुक्की इतनी तेज थी कि दोनों महिलाएं अनियंत्रित होकर घर के गेट से बाहर सीधे सड़क पर जा गिरीं।

इस दौरान गोद में मौजूद बच्चा सड़क पर गिरने से बाल-बाल बचा। गनीमत रही कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। सड़क पर गिरने के बाद भी मामला शांत नहीं हुआ। फुटेज में दिख रहा है कि जैसे ही महिला कर्मचारी नीचे गिरी, घर की अन्य महिलाओं और लड़कियों ने उसे घेर लिया और जमकर लात-घूंसे बरसाए। आवेदिका रीना चिढ़ार ने सिटी कोतवाली में शिकायती आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। रीना के अनुसार, वह ब्लॉक नंबर 73 में सर्वे कर रही थीं, तभी कमलेश चिढ़ार ने गाली-गलौज कर उनका रजिस्टर छीन लिया। आरोप है कि

जब वह रजिस्टर लेने अंदर गई, तो आरोपियों ने उनका पल्लू खींचकर नीचे पटक दिया और पेट में लात मारी। इस दौरान सरकारी रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। रीना का दावा है कि मोहल्ले वालों ने हस्तक्षेप कर उनकी जान बचाई। फिलहाल पुलिस को केवल महिला कर्मचारी का पक्ष प्राप्त हुआ है। सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की जा रही है, क्योंकि वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हावी होते दिख रहे है। पुलिस अब दूसरे पक्ष का बयान दर्ज करने और वायरल वीडियो के आधार पर यह तय करने की कोशिश कर रही है कि इस हिंसक झड़प की असल शुरुआत किसने की थी।

## अनजान चेहरों ने निभाया पिता का फर्ज, कैंसर पीड़ित पिता की बेटी की धूमधाम से शादी

# आंसूओं से भीगी विदाई बनी इंसानियत की मिसाल

गंजबासौदा

नगर के लिए सिर्फ एक विवाह समारोह नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और सेवा की अद्भुत मिसाल बनकर सामने आया। यहां अनजान चेहरों ने एक लाचार पिता का फर्ज निभाते हुए उसकी इकलौती बेटी का विवाह पूरे सम्मान और रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया। विदाई के समय हर आंख नम थी, लेकिन इन आंसुओं में दर्द नहीं, बल्कि संतोष और अपनत्व की चमक थी। रायसेन जिले के ग्राम हकीमखेड़ी निवासी चरणदास वैष्णव, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, अपनी बेटी रजनी के विवाह को लेकर गहरी चिंता में थे। आर्थिक तंगी और इलाज में खत्म हो चुकी जमा पूंजी ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया था। ऐसे कठिन समय में गंजबासौदा की पिथौली धाम श्री बालाजी सेवा समिति उनके लिए सहारा बनकर सामने आई।

समिति को जब शिक्षक महेश शर्मा के माध्यम से इस परिवार की स्थिति की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना किसी रिश्ते के भी इस जिम्मेदारी को अपना कर्तव्य मान लिया। समिति ने न केवल विवाह की संपूर्ण व्यवस्था संभाली, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कन्यादान पिता ही करें।

नगर के विश्वकर्मा मंदिर धर्मशाला में आयोजित इस विवाह समारोह में बारातियों के स्वागत से लेकर भोजन, सजावट और सभी व्यवस्थाएं इस तरह की गईं, जैसे यह किसी संस्था का नहीं, बल्कि अपने ही परिवार का आयोजन हो। समिति द्वारा बेटी को गृहस्थी का पूरा सामान, सोने-चांदी के आभूषण, सुहाग सामग्री के साथ रामायण और भगवान गणेश की प्रतिमा भी भेंट की गई। भीषण गर्मी के बावजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। सेवा के इस संकल्प के साथ समिति ने वर्ष 2003 से अब तक 25 निर्धन कन्याओं के विवाह ससम्मान संपन्न कराए हैं। संस्थापक गणपत सिंह राजपूत (मास्टर साहब) और अध्यक्ष अतुल नेमा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

विदाई के समय जब पिता ने कांपते हाथों से कन्यादान किया, तो वह पल हर किसी के लिए भावुक कर देने वाला था। यह आयोजन सिर्फ एक बेटी की शादी नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक बन गया कि जब समाज साथ खड़ा हो, तो कोई भी पिता अपनी जिम्मेदारी निभाने से वंचित नहीं रहता।

मुद्रक ,प्रकाशक एवं प्रबंध **संपादक रश्मि तिवारी** द्वारा प्रदेश सत्ता प्रिन्टर्स, म. न 2 लाला लाजपत राय कॉलोनी रायसेन रोड जिला- भोपाल (म.प्र.) तथा 7/4 अंजली कैंपेलेक्स, टी टी नगर जिला- भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
**संपादक- राकेश कुमार** ( किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)